

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्याप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, सोमवार 4 मई 2026



10वीं-12वीं के टॉपर्स को दिखाएंगे मैच

दसवीं-बारहवीं की प्राचीन्य सूची में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों को शासन द्वारा आईपीएल मैच दिखाया जाएगा। इस संदर्भ में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शिक्षा संभाग के सभी संयुक्त संचालकों को खत लिखा गया है। इसमें कहा गया है कि 10वीं एवं 12वीं के मेरिट में आए विद्यार्थियों को 10 मई का आईपीएल मैच शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में दिखाया जाना है। संबंधित विद्यार्थियों की एक शिक्षक के साथ एससीईआरटी रायपुर में 10 मई को सुबह 10 बजे पहुंचाने की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करने कहा गया है। गौरतलब है कि मध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं-12वीं की परीक्षा में 85 छात्रों ने मेरिट लिस्ट में जगह बनाई थी।

आज से आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स मैच के टिकट

10 मई के मुकाबले की टिकट बिकी के बाद अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 13 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होने वाले मैच के टिकट आज से बेचना शुरू करेगी। प्रबंधन के अनुसार, इस मैच के लिए टिकटों के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। स्टेडियम के सभी स्टेड्स की कीमते पहले मैच के समान ही रहेंगी।

3 बजे खुली आरसीबी और मुंबई इंडियंस मैच की बुकिंग आज दूसरे मैच के लिए बुकिंग

आईपीएल का रोमांच, 5 मिनट में 80 फीसदी सीटें फुल, 3000 से 8000 कीमत वाले टिकट बिक गए, दूसरे फेज में महंगे की बारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर
राजधानी रायपुर में 10 मई को होने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के महामुकाबले को लेकर फैस में गजब का उत्साह देखने को मिला। रविवार दोपहर 3 बजे जैसे ही मैच की ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू हुई, चंद मिनटों के भीतर ही पहले फेज के सभी टिकट बिक गए। मैनेजमेंट द्वारा इस

मैच के लिए लगभग 40 से 42 हजार टिकट बेचे जाने की जानकारी है, जिसके पहले फेज की बिक्री पूरी हो चुकी है। इस फेज में 3 हजार से लेकर 8 हजार रुपये तक के टिकट विक्रय के लिए उपलब्ध कराए गए थे। प्लेटिनम और अन्य महंगे टिकटों की बिक्री अभी बाकी है। अब क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि टिकट बिक्री का दूसरा फेज जल्द ही शुरू होगा। मैच की ►►शेष पेज 7 पर



तकनीकी दिक्कतों ने किया परेशान
एक साथ हजारों की संख्या में लोगों के वेबसाइट पर बुकिंग के लिए टूट पड़ने के कारण सर्वर पर काफी लोड आ गया, जिससे लोगों को भारी तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा। टिकट खरीदने वाले लोगों ने बताया कि सर्वर धीमा होने के कारण पांच से दस बार लगातार प्रयास करने के बाद ही उनके टिकट बुक हो पाए। इस दौरान कई लोगों को ओटीपी देर से आने और पेमेंट फेल होने जैसी दिक्कतों से भी जूझना पड़ा।

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेड = **₹103903/-** (75.00%)

22 कैरेट रेड = **₹126900/-** (91.60%)

24 कैरेट रेड = **₹138523/-** (99.99%)

सोने का भाव* प्रति 1.0 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

60 घंटे बाद मिला चाचा और भतीजे का मिला शव जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध में हुए क़ूज हद्दसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह पांच वर्षीय बालक मयूरम और उसके चाचा कमराज (लगभग 50) के शव बरामद किए गए। कमराज खमरिया आयुध निर्माण फैक्टरी में कर्मचारी थे। बरगी के उप पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों के 1.02 करोड़ का चूरा पोस्ट जब, एक गिरफ्तार चतरा/रांची। झारखंड के चतरा और रांची जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान पुलिस ने कुल 1.02 करोड़ रुपए मूल्य का चूरा पोस्टा जन्म कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। चतरा जिले में शनिवार को वाहनों की जांच अभियान के दौरान पुलिस ने एक टैम्पो से 283 किलोग्राम चूरा पोस्ट बरामद किया और इस सिलसिले में एक व्यक्ति को

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

देश की राजनीति के लिए सोमवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहा है। सोमवार को चमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम घोषित होंगे। इन पांच राज्यों में पिछले कई सप्ताहों से अलग-अलग चरणों में मतदान संपन्न हुआ था और अब जनता की आदालत का फैसला सामने आएगा। एक्जिट पोल की पोल खुलेगी, या घोषणा सच साबित होगी, देखना दिलचस्प होगा। पश्चिम बंगाल को लेकर दिलचस्पी ज्यादा इसलिए बढ़ गई है क्योंकि भाजपा ने इस बार पूरी शक्ति से चुनाव लड़ा। फिर भी तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 222 सीटें जीतने का दावा किया है। पश्चिम बंगाल ►►शेष पेज 7 पर

देश के पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों का इंतजार अब खत्म हो गया। अप्रैल महीने में अलग अलग चरणों में मतदान पूरा हुआ और अब 4 मई को वोटों की गिनती की जाएगी। सोमवार शाम तक नतीजे आने शुरू हो जाएंगे। इससे पहले भाजपा, टीएमसी, कांग्रेस, द्रमुक के अलावा अन्य राजनीतिक दल अपने-अपने दावे कर रहे हैं।

कहां कितनी सीटें

- पश्चिम बंगाल- 294
- तमिलनाडु- 234 सीटें
- असम- 126 सीटें
- केरल- 140 सीटें
- पुडुचेरी- 30 सीटें

कैसे होगी गिनती

- सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती होगी
- इसके बाद ईवीएम के वोट गिने जाएंगे
- हर विधानसभा सीट पर कई राउंड में काउंटिंग होगी
- हर राउंड के बाद अपडेट जारी किया जाएगा
- सभी राउंड पूरे होने और जांच के बाद रिटर्निंग ऑफिसर अंतिम नतीजा घोषित करेंगे

कब शुरू होगी मतगणना

सभी राज्यों और पुडुचेरी में मतगणना 4 मई को सुबह 8 बजे से एक साथ शुरू होगी। काउंटिंग सेंटर पर पूरी प्रक्रिया कड़ी निगरानी में होगी, ताकि पारदर्शिता और सुरक्षा बनी रहे।

कहां देखें लाइव नतीजे

चुनाव के नतीजे लाइव देखने के लिए चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट **results.eci.gov.in** पर जा सकते हैं। यहां हर सीट की अपडेट लगातार मिलती रहेगी।



कब तक आएंगे रुझान

मतगणना शुरू होने के कुछ घंटों के भीतर शुरुआती रुझान सामने आने लगेंगे। आमतौर पर सुबह के समय ही यह संकेत मिलना शुरू हो जाता है कि किस पार्टी को बढ़त मिल रही है। जैसे जैसे गिनती आगे बढ़ेगी, तस्वीर साफ होती जाएगी।

काउंटिंग सेंटर पर सीपीएफ की 200 कंपनियां तैनात

पश्चिम बंगाल के मुख्य निवांचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि सभी तैयारियां पूरी हैं। तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था है। काउंटिंग सेंटरों पर सीपीएफ की 200 कंपनियां तैनात की गई हैं।

नतीजों का बाजार में दिखेगा असर

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के विधानसभा चुनाव शेयर बाजार के लिए शॉर्ट टर्म ट्रिगर बन सकता है। अगर नतीजे एक्जिट पोल के मुताबिक आते हैं, तो बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। खासतौर पर पश्चिम बंगाल के मुकाबले पर निवेशकों की नजर रहेगी। कोटक का मानना है कि चुनावी नतीजों से आई तेजी ज्यादा समय तक नहीं टिकेगी। बाजार की असली दिशा कच्चे तेल की कीमतों तय करेंगी, जो फिलहाल सबसे बड़ा शॉर्ट टर्म जोखिम बना हुआ है।

फलता में 21 को मतदान, 24 को नतीजे

हालांकि पश्चिम बंगाल के फलता विधानसभा क्षेत्र में कुछ गड़बड़ियों की शिकायत मिलने के बाद चुनाव आयोग ने यहां के 285 बुशों पर दोबारा मतदान कराने का फैसला लिया है। इस सीट पर 21 मई को फिर से वोटिंग होगी और इसके नतीजे 24 मई को अलग से घोषित किए जाएंगे।

शराब घोटाले में पड़ताल सवा तीन किलो सोना, 53 लाख रुपए कैश मिला



हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

राज्य के चर्चित शराब घोटाले में ईडी ने रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में छापे के दौरान 53 लाख रुपए कैश, 3.234 गोल्ड सहित 5 करोड़ 39 लाख रुपए की चल-अचल का पता लगाया है। कारोबारियों की संपत्ति अटैच कर ली गई है। छापे 30 अप्रैल को मारे गए थे। टीम ने 13 ठिकानों पर पड़ताल की थी। ईडी द्वारा जारी बयान के मुताबिक कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धाराओं के तहत की गई है। ईडी ने छापे की कार्रवाई के दौरान किन लोगों के ठिकानों से क्या मिला, इस बात का उल्लेख नहीं किया है। ईडी के बयान के अनुसार शराब ►►शेष पेज 7 पर

घोटाले की रकम को ह्वाइट करने का आरोप

शराब घोटाले के आरोप में 30 अप्रैल को जिन कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी ने छापे की कार्रवाई की है, उनके द्वारा घोटाले की रकम को ठिकाने लगाने के साथ ब्लैक से व्हाइट करने का आरोप है। बिलासपुर का सरपंचा कारोबारी शराब घोटाले का किंग पिन अनवर देबर का करीबी है। विवेक का नाम पूर्व में भी शराब घोटाला में सामने आ चुका है।

सुशासन तिहार के पहले दिन

मुख्यमंत्री पहुंचे चंदागढ़, बरगढ़ पेड़ के नीचे लगाई जनचौपाल



हरिभूमि न्यूज़ ►► जशपुरनगर

सुशासन तिहार के पहले दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का उड़नखटोला जिले के सुदूर चंदागढ़ में उतरा। यहां उन्होंने जनचौपाल लगाई और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने पथलगांव विकासखंड के भैंसामुड़ा के जन्चौपाल स्थल में बजरंग बली मंदिर पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा आज बड़ा सौभाग्य का दिन है कि हम सुशासन तिहार की शुरुआत कर रहे हैं। हम ग्रामवासियों के

बीच उनकी समस्या सुनने आए हैं। उन्होंने कहा कि आज लखपति दीदी सुमिला कोरवा से मुलाकात हुई उन्होंने गाड़ी भी खरीद ली। मुख्यमंत्री ने सामुदायिक भवन, मिनी स्टेडियम, बरगढ़ पेड़ के नीचे बच्चों को क्रिकेट किट और यूनिकॉर्म देने की और सीसी रोड बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ में 8 लाख लखपति दीदी बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 3 करोड़ लखपति दीदी बन गए हैं। 2023 को पहले ही दिन केबिनेट की बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। तैदुपत्ता तोड़ने का कार्य ►►शेष पेज 7 पर



नन्हीं मानविका को गोद में उठाया

मुख्यमंत्री श्री साय ने 4 वर्षीय नन्हीं बच्ची मानविका चौहान से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल उसे स्नेह से गोद में उठाया, बल्कि उसे अपभोषण से चश्मा पहनाकर उसका हासला भी बढ़ाया। मानविका अपनी माता दीर्घाजलि चौहान के साथ मुख्यमंत्री को देखने के लिए उत्साहित होकर पहुंची थी। जैसे ही मुख्यमंत्री की नजर उस नन्हीं बच्ची पर पड़ी, वे उसके पास पहुंचे और ►►शेष पेज 7 पर

सकारात्मक बदलाव का संकल्प : विष्णुदेव

अंबिकापुर। प्रदेश में चल रहे सुशासन तिहार के तहत ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने लगाए जा रहे शिबिर में रविवार को अचानक ही प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय शामिल हुए। सीएम श्री साय का उड़न खटोला अचानक ही बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा अंतर्गत शंतिपुरा में उतरा। इस दौरान सीएम ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। इस दौरान सीएम श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार शासन की कार्यप्रणाली में बेहतर और ►►शेष पेज 7 पर

नाबालिग चला रहा था जैसीबी

बाइक को मारी टक्कर पति-पत्नी की मौत

हरिभूमि न्यूज़ ►► अम्बिकापुर / ओड़गी

सूरजपुर जिलान्तर्गत ओड़गी थानान्तर्गत कुल्लु घाटिया पर हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। ब्लाक मुख्यालय ओड़गी स्थित एकलव्य के छात्रावास निर्माण कार्य में लगे जैसीबी के चालक ने कुल्लु घटिया पर बाइक सवार दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ►►शेष पेज 7 पर



ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विकासखंड मुख्यालय ओड़गी स्थित बस स्टैंड में चक्काजाम कर वाहनों का आवागमन रोक दिया। इस दौरान घटी ओड़गी-सूरजपुर मार्ग से वाहनों का आवागमन ठप रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की तथा दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने ►►शेष पेज 7 पर

गंडई मोड़ पर पुल से फिसली कार नदी में गिरी, रायपुर के चार युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज़ ►► पांडातराई

पांडातराई थाना क्षेत्र अंतर्गत गंडई मोड़ के पास फोक नदी (गडई नदिया) में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी, जिससे उसमें सवार 6 युवकों में से 4 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक शव को देर रात तक बरामद किया गया जो पानी में 10 फिट दूर छिटा हुआ था। पुलिस के अनुसार सभी युवक बिरागों, रायपुर के निवासी बताए जा रहे हैं और पंडरिया क्षेत्र में एक शादी

2 की हालत गंभीर



समारोह में शामिल होने आ रहे थे। इसी दौरान गंडई नदी के पास मोड़ पर वाहन चालक नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे नदी में जा गिरी। हादसे में मृतकों की पहचान अरमान अली (20 वर्ष), मोहम्मद सैफ (19 वर्ष), अनस अली (21 वर्ष) और कौनैन ►►शेष पेज 7 पर

तेज रफ्तार और संतुलन बिगड़ा

पांडातराई थाना प्रभारी कमलाकांत मिश्रा ने बताया कि वाहन (टाटा टियागो, क्रमांक सीजी 10 एएस 1082) में कुल 6 युवक सवार थे। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर संतुलन बिगड़ना हादसे का कारण माना जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे की रिपोर्ट ने छत्तीसगढ़ की कर्मठता पर लगाई मुहर

कर्मठ छत्तीसगढ़: श्रम शक्ति के मामले में तीसरे नंबर पर

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में लेबर फोर्स यानि श्रम शक्ति के मामले में पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी इस राज्य को मेहनतकश छत्तीसगढ़ बना रही है। श्रम शक्ति के मामले छत्तीसगढ़ देश में तीसरे नंबर पर है। साथ ही इस प्रदेश की महिलाएं भी मेहनत करने और रोजगार की तलाश में पीछे नहीं हैं, देश में यहां की महिलाएं टॉप फाइव यानि पांचवे नंबर पर हैं। ►►शेष पेज 7 पर

क्या होती है श्रम बल सहभागिता दर

सरल शब्दों में कहें तो 'श्रम बल सहभागिता दर' का अर्थ उन लोगों के प्रतिशत से है, जो या तो काम कर रहे हैं या सक्रिय रूप से काम की तलाश कर रहे हैं। यह किसी राज्य की आर्थिक सक्रियता का पैमाना होता है। यदि यह दर अधिक है तो इसका मतलब है कि राज्य की अधिक आबादी अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए तैयार और सक्रिय है।



आंकड़ों का सारांश (छत्तीसगढ़)

क्षेत्र	पुरुष %	महिला%	कुल%
ग्रामीण	64.6	51.4	58.0
शहरी	62.3	26.2	44.3
कुल (राज्य)	64.1	46.4	55.3

छत्तीसगढ़ देश में तीसरे नंबर पर

हाल ही में जारी पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे की रिपोर्ट ने छत्तीसगढ़ की कर्मठता पर मुहर लगा दी है। साझा की गई आधिकारिक तालिका के अनुसार, छत्तीसगढ़ अपनी 55.3 प्रतिशत की कुल श्रम बल सहभागिता दर के साथ पूरे देश में तीसरे स्थान पर काबिज हो गया है। यह आंकड़ा न केवल राज्य की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि यहां का हर दूसरा व्यक्ति विकास की प्रक्रिया में सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है, यहां पुरुष खेती-किसानी में जुटते हैं तो महिलाएं भी उनसे कंधे से कंधा मिलाकर काम करती हैं।

अन्य राज्यों की स्थिति

सिक्किम	—	61.4 प्रतिशत
हिमाचल प्रदेश	—	58.7 प्रतिशत
छत्तीसगढ़	—	55.3 प्रतिशत
नागालैंड	—	54.9 प्रतिशत
उत्तरांचल प्रदेश	—	53.6 प्रतिशत
गुजरात	—	50.6 प्रतिशत
तमिलनाडु	—	50.2 प्रतिशत
त्रिपुरा	—	49.9 प्रतिशत
कर्नाटक	—	47.7 प्रतिशत
केरल	—	46.2 प्रतिशत

शहरी और ग्रामीण संतुलन: तालिका के आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ का श्रम बल केवल गांवों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी 44.3 प्रतिशत लोग श्रम बल का हिस्सा हैं, जिसमें पुरुषों की भागीदारी 62.3 प्रतिशत है।

तृणमूल कांग्रेस का आरोप, ‘स्ट्रॉन्ग रूम के पास गई बीजेपी के झंडे वाली कारे’

मतगणना से पहले गरमाया भवानीपुर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा

एजेंसी ►► कोलकाता



■ दोनों दल राज्यभर में स्ट्रॉन्गरूम की सुरक्षा पर रखे हुए कड़ी नजर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना केंद्र पर मतों की गिनती से एक दिन पहले रविवार को हंगामा हुआ तथा तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के झंडे वाली दो कारों को उस परिसर में प्रवेश की अनुमति दी गई, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखी गई हैं।

यह घटना ऐसे समय हुई है जब ममता बनर्जी ने सखावत मेमोरियल गल्स स्कूल स्थित इसी मतगणना केंद्र के सामने गुरुवार रात 4 घंटे धरना दिया था। बनर्जी ने स्ट्रॉन्गरूम में अनधिकृत लोगों के प्रवेश का आरोप लगाया था।

जांच के बाद कार में आपतिजनक नहीं मिला : निर्वाचन आयोग

निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कार हरीश मुखर्जी रोड से गुजर रही थी और सुरक्षाबलों घंटे पुलिस की जांच किए जाने के बाद उसमें कुछ भी आपतिजनक नहीं मिलने पर उसे जाने दिया गया। ममता बनर्जी की ओर से तृणमूल कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं और मतदान एजेंट से ईवीएम स्ट्रानरूम की चौबीसों घंटे निगरानी करने की अपील किए जाने के बाद पार्टी उम्मीदवार कुणाल घोष और शशि पांजा ने गुरुवार को खुदीराम अनुशीलन केंद्र में अनियमित गतिविधियों का आरोप लगाते हुए वहां धरना दिया जबकि निर्वाचन आयोग ने उनके आरोपों को खारिज किया।

तृणमूल ‘बेबुनियाद आरोप’ लगा रही है : भाजपा प्रवक्ता घोष

भाजपा के प्रवक्ता सजल घोष ने कहा कि बंगाल के लोगों को यह बात ‘हस्यस्पद’ लग रही है कि ‘अनुचित साधनों और बल प्रयोग की रणनीति से चुनाव जीतती रही’ तृणमूल अब तरह-तरह के ‘बेबुनियाद आरोप’ लगा रही है। उन्होंने कहा, ‘क्या वे हार से डर रहे हैं?’

टीवीके ने की ‘रिसॉर्ट राजनीति’ की तैयारी, विजय को पोचिंग का डर

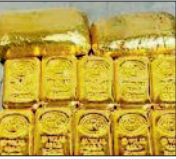
एजेंसी ►► चेन्नई



■ महाबलीपुरम के पास पूनजैरी इलाके में निजी रिसॉर्ट बुक करने की तैयारी

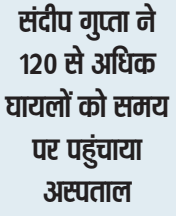
तमिलनाडु में चुनाव नतीजों से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। संभावित त्रिशंकु विधानसभा की आशंका के बीच अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलना वेत्री कडगम (टीवीके) ने अपने संभावित विजयी उम्मीदवारों को एकजुट रखने के लिए खास रणनीति तैयार की है। टीवीके सूत्रों के मुताबिक, विजय ने निर्देश दिया है कि 4 मई को नतीजे घोषित होते ही जीतने वाले सभी उम्मीदवार तुरंत पनैयूर स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचें। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर महाबलीपुरम के पास पूनजैरी इलाके में एक निजी रिसॉर्ट बुक करने की भी तैयारी कर ली गई है, जहां विजयी विधायकों को ठहराया जा सकता है। टीवीके की इस रणनीति के पीछे का मकसद अपने संभावित विजयी विधायकों की ‘पोचिंग’ रोकना है। बताया जा रहा है कि पर्जित पोल के अनुमानों के बाद, विजय ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर यह रणनीति बनाई।

मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ाया करोड़ों रुपए का सोना



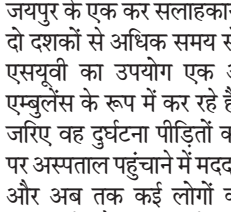
मुंबई। सीमा शुल्क विभाग ने दुबई से छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डा पहुंचे यात्रियों से 1.79 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक सामान, सौंदर्य प्रसाधन, सिगरेट और अपरिष्कृत सोना जब्त किया है। यह जानकारी रविवार को एक अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, ‘ मौके पर ही दो यात्रियों की पहचान कर उनके खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए। इनमें से एक यात्री एमिरेट्स की उड़ान से आया था और उसके पास इलेक्ट्रॉनिक सामान, सौंदर्य प्रसाधन और सिगरेट जैसी 84.37 लाख रुपए मूल्य की तस्करी की वस्तुएं थीं। एक अन्य मामले में, विस्तृत तलाशी के बाद विमान के दोनों पिछले शौचालयों के कमोड से भूरे टेप में लिपटे आठ पैकेट बरामद किए गए।’ अधिकारी ने बताया कि स्पाइसजेट की उड़ान से आए एक यात्री से 95.32 लाख रुपए मूल्य का 695 ग्राम 24 कैरेट का अपरिष्कृत सोना जब्त किया गया।

संदीप गुप्ता ने 120 से अधिक घायलों को सनय पर पहुंचाया अस्पताल



जयपुर के एक कर सलाहकार पिछले दो दशकों से अधिक समय से अपनी एसयूवी का उपयोग एक अस्थायी एम्बुलेंस के रूप में कर रहे हैं। इसके जरिए वह दुर्घटना पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद करते हैं और अब तक कई लोगों की जान बचा चुके हैं। जयपुर के मालवीय नगर निवासी संदीप गुप्ता ने अब तक 120 से अधिक घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। इनमें से 35 लोग तो ऐसे थे, जिन्हें यदि समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता, तो उनकी मौत हो सकती थी।

एजेंसी ►► जयपुर



एजेंसी ►► जयपुर

जयपुर के एक कर सलाहकार पिछले दो दशकों से अधिक समय से अपनी एसयूवी का उपयोग एक अस्थायी एम्बुलेंस के रूप में कर रहे हैं। इसके जरिए वह दुर्घटना पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद करते हैं और अब तक कई लोगों की जान बचा चुके हैं। जयपुर के मालवीय नगर निवासी संदीप गुप्ता ने अब तक 120 से अधिक घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। इनमें से 35 लोग तो ऐसे थे, जिन्हें यदि समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता, तो उनकी मौत हो सकती थी।

सुवेदु का आरोप, ‘मतगणना से पहले अधिकारियों की झूठी जानकारी लीक’



■ चुनाव आयोग से की कार्रवाई की मांग

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले भाजपा नेता सुवेदु अधिकारी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी अपनी झूटी, स्थान और जिम्मेदारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी विभागीय संगठनों और संघों के साथ साझा कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मामले पर तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। भाजपा नेता सुवेदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘फेस’ पर पोस्ट किया, मेरे संज्ञान में यह बात आई है कि मतगणना के दिन झूटी के लिए तैनात कई अधिकारी कथित तौर पर अपनी झूटी का विवरण, स्थान और पदनाम अपने-अपने विभागीय संगठनों और संघों को बता रहे हैं। मुझे यह जानकारी मिली है कि कुछ स्पेडशीट और सूचियां प्रसारित की जा रही हैं, जिनमें अधिकारी अपनी ‘चुनाव झूटी की जानकारी’ स्वेच्छा से या किसी दबाव में भर रहे हैं। इसमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान उनकी विशिष्ट भूमिकाओं का विवरण भी शामिल है।’

चुनाव संबंधी नियमों का गंभीर उल्लंघन

सुवेदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ कुछ व्हाट्सअप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि यह चुनाव संबंधी नियमों का एक गंभीर उल्लंघन है। भाजपा नेता ने कहा, मतगणना प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता, इसमें शामिल कर्मियों की तैनाती की गोपनीयता पर निर्भर करती है। इस गोपनीयता का कोई भी उल्लंघन परिणामों की निष्पक्षता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जब किसी अधिकारी की तैनाती का विशिष्ट विवरण किसी राजनीतिक झुकाव वाले संगठन या संघ को पता चल जाता है, तो इससे अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव और दबाव (धमकी) की गुंजाइश बन जाती है।

अग्निमित्रा पहुंची काली मंदिर कहा- चुनाव मुकाबले धर्मयुद्ध



■ महाबलीपुरम के पास पूनजैरी इलाके में निजी रिसॉर्ट बुक करने की तैयारी

कोलकाता। आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल मतगणना से ठीक एक दिन पहले रविवार को बर्नपुर के बारी मैदान स्थित काली मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना की और अपनी जीत का दावा किया। मंदिर में पूजा के बाद उन्होंने चुनावी मुकाबले को धर्मयुद्ध बताते हुए राज्य में बड़े बदलाव की भविष्यवाणी की। उन्होंने 92 से 94 प्रतिशत तक हुए भारी मतदान को जनता के बदलाव की चाहत और सत्य की जीत का संकेत बताया।

चुनाव एक वैचारिक लड़ाई

मंदिर में पूजा के बाद अग्निमित्रा पाल ने कहा कि ये चुनाव सिर्फ एक मुकाबला नहीं बल्कि वैचारिक लड़ाई है। उन्होंने कहा कि उनका मंदिर जाना सिर्फ व्यक्तिगत आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि बंगाल में लंबे समय से चली आ रही कथित कुशासन के खिलाफ एक वैचारिक लड़ाई का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की जनता ने 34 साल के वाम शासन और उसके बाद 15 साल के तृणमूल कांग्रेस शासन में काफी परेशानियां झेली हैं और अब बदलाव चाहती है।

तमिलनाडु : मतगणना केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा, 22 हजार पुलिसकर्मी तैनात

एजेंसी ►► चेन्नई



■ महाबलीपुरम के पास पूनजैरी इलाके में निजी रिसॉर्ट बुक करने की तैयारी

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान के बाद सोमवार को होने वाली मतगणना की तैयारियों के बीच मतगणना केंद्रों पर लगभग 22 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। प्राधिकरणों ने सभी 62 मतगणना केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की है, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) सुरक्षित रखी गई हैं और उन्हें सख्त निगरानी में खोला जाएगा। मतगणना प्रक्रिया से यह तय होगा कि राज्य में अगली सरकार कौन बनाएगा, जिसे लेकर राजनीतिक दलों और आम जनता में भारी उत्सुकता है। इस चुनाव में चार-कोणीय मुकाबला देखने को मिला, जिसमें डीएमके नेतृत्व वाला सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस, एआईएडीएमके नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए), नाम तमिलर काची (एनटीके) और अभिनेता विजय की तमिलना वेट्टिर कडगम (टीवीके) शामिल रहे। मतगणना सोमवार सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों से शुरू होगी, जिसके बाद 8:30 बजे ईवीएम के वोट गिने जाएंगे।

40 से अधिक अर्धसैनिक बल भी तैनात



मतगणना केंद्रों पर तैनात कर्मियों के अलावा, 40 से अधिक कर्पनियां सशस्त्र अर्धसैनिक बलों की भी तैनात की गई हैं। कुल मिलाकर, लगभग एक लाख पुलिसकर्मी तमिलनाडु भर में झूटी पर रहेंगे। पुलिस महानिदेशक संदीप राय राठौर के आदेश पर यह व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों- आईजी, डीआईजी, कमिश्नर और पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। केवल चेन्नई में ही क्वीन मैरी कॉलेज, अन्ना यूनिवर्सिटी (गिंडी) और लोयोला कॉलेज में तीन मतगणना केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 3,000 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

दुर्घटना पीड़ितों को सनय पर अस्पताल पहुंचाने में करते हैं मदद



एजेंसी ►► जयपुर

जयपुर के एक कर सलाहकार पिछले दो दशकों से अधिक समय से अपनी एसयूवी का उपयोग एक अस्थायी एम्बुलेंस के रूप में कर रहे हैं। इसके जरिए वह दुर्घटना पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद करते हैं और अब तक कई लोगों की जान बचा चुके हैं। जयपुर के मालवीय नगर निवासी संदीप गुप्ता ने अब तक 120 से अधिक घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। इनमें से 35 लोग तो ऐसे थे, जिन्हें यदि समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता, तो उनकी मौत हो सकती थी।



ITSA HOSPITALS

HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

नन्हे मरीज़

24 X 7

बड़ी देखभाल



एन आई सी यू



पी आई सी यू



इमरजेंसी एंड ट्रॉमा केयर



ए सी एल एस एम्बुलेंस

इमरजेंसी हेल्पलाइन

+91- 7880120000

अंबुजा सिटी सेंटर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर (छ.ग.)



कुएं का पानी रहता है सहारा

क्षेत्र में फ्लोराइड प्रभावित गांव में कुएं का पानी सहारा रहता है। हैंडपंप और बोर की खुदाई डेढ़ सौ से दो सौ फुट तक रहती है और इतनी गहराई से आने वाले पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक रहती है। वहीं दूसरी ओर कुएं का जल स्तर 50 से 55 फीट में मिल जाता है और इतनी ही गहराई में मिलने वाले पानी में फ्लोराइड की मात्रा नहीं रहती। शुद्ध पेयजल के रूप में कुएं के पानी का उपयोग किया जा सकता है। पंडरीपानी, बिंदिरा में मनरेगा से 2 कुएं का निर्माण हुआ था जिसका उपयोग इन गांव के ग्रामीण कर रहे हैं। पीपेचई ने प्रभावित गांवों में कुंआ निर्माण कराने की योजना है। जबकि ग्राम पंचायत के प्रस्ताव पर जनपद स्तर से प्रभावित गांवों में कुंआ निर्माण कराने का प्रावधान है लेकिन इस और ना तो प्रभावित पंचायतों के प्रतिनिधि और जनपद के अधिकारी ►►शेष पेज 7 पर

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कोरबा के पोड़ी उपरोड़ा में 10% आबादी प्रभावित

15 गांवों में फ्लोराइड से झुक रही जिंदगी स्कूल के 50 बच्चों में से 35 के दांत खराब

अरविंद पाण्डेय ►► कोरबा



ना ग्रामीणों को पता और ना स्कूल के शिक्षकों को

आश्चर्य की बात है कि पोड़ीउपरोड़ा ब्लॉक के आमतक़रा के प्राथमिक शाला के शिक्षकों के साथ गांव के निवासियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी कि वह जिस पानी का उपयोग कर रहे हैं वह प्रदूषित है। क्षेत्र में सर्वे कर रही स्वयं सेवी संस्था के कार्यकर्ताओं ने जब आमतक़रा प्राथमिक शाला में ►►शेष पेज 7 पर

पानी का उपयोग प्रतिबंधित करना ही स्थायी विचार

फ्लोराइड प्रभावित ग्रामों में दंत रोग विशेषज्ञ और हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम समय समय पर कैप लगाती है। इसके साथ पानी का उपयोग नहीं करने की समझावश भी ग्रामीणों को दी जाती है लेकिन इसका स्थायी उपचार फ्लोराइड युक्त पानी को नहीं पीने से ही होगा, इसके लिए भी ग्रामीणों को कहा गया है।

- डॉ दीपक सिंह बीएमओ, पोड़ी उपरोड़ा सीएचसी

समूह जल प्रदाय योजना से होगा काम

पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के फ्लोराइड प्रभावित कुछ गांव में फ्लोराइड रिमूवल प्लांट लगाए गए हैं। एक प्लांट लगाने में लगभग 14 लाख का खर्च आता है। अब इन प्रभावित ग्रामों को समूह जल प्रदाय योजना से जोड़ा जा रहा है और इस योजना से ही फ्लोराइड प्रभावित ग्रामों में शुद्ध पेयजल पहुंचाने का काम होगा।

- रमन उरांव कार्यपालन अभियंता पीपेचई



खबर संक्षेप

भारत और कंबोडिया की सेनाएं करेगी सैन्य अभ्यास
नई दिल्ली। भारत और कंबोडिया की सेनाएं दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा और सैन्य संबंधों को गहरा करने के तहत सोमवार से दो सप्ताह तक सैन्य अभ्यास करेंगी।अभ्यास 'सिनबैक्स' का दूसरा संस्करण कंबोडिया के कम्पिंग थ्मो प्रान्त में आयोजित किया जाएगा।

86 लाख रुपए के मादक पदार्थ बरामद मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक व्यक्ति के पास से 86 लाख रुपए मूल्य का मेफेड्रोन (नशीला पदार्थ) बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस दल ने शनिवार देर रात करीब दो बजे गश्त के दौरान उल्हवे क्षेत्र में एक आवासीय परिसर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। उल्हवे थाने के एक अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके पास से 344 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद हुआ जिसकी कीमत करीब 86 लाख रुपए है।

ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराई बाइक, दो की मौत मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले में एक ओवरब्रिज की रेलिंग से मोटरसाइकिल के टकराने से दो लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना शनिवार रात को टाउन पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत आने वाले रेडमा ओवरब्रिज पर हुई, जब मोटरसाइकिल सवार ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और दोपहिया वाहन रेलिंग से टकरा गया।

साइबर धोखाधड़ी के आरोप में 130 विदेशी गिरफ्तार कोलंबो। श्रीलंका में पिछले दो दिनों में कथित साइबर अपराध को लेकर 130 से अधिक विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने श्रीलंका में सक्रिय सीमापार ऑनलाइन धोखाधड़ी नेटवर्क पर व्यापक कार्रवाई के तहत ये गिरफ्तारियां की हैं। उसने यहां उपनगरीय क्षेत्र थलंगामा में शनिवार को 37 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया।

मग्न में 62 आईपीएस अधिकारियों के तबादले भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने रविवार को बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 62 अधिकारियों के तबादले किए। जिन अधिकारियों का तबादला किया गया, उनमें 19 जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शामिल हैं। सिंगरौली के पुलिस अधीक्षक मनोप खत्री को स्थानांतरित कर भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक पद पर तैनात किया गया है।

पश्चिम एशिया संकट: 45 हजार टन एलपीजी लेकर जहाज भारत रवाना

अमेरिका-ईरान की तकरार के बीच हॉर्मुज के ‘चक्रव्यूह’ से निकला भारत का ‘सर्व शक्ति’

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के चलते हॉर्मुज जलमार्ग पर ईरान और अमेरिका ने अलग-अलग नाकाबंदी कर रखी है। भारतीय एलपीजी टैंकर ईरान के लारक और केशम द्वीपों से गुजरने के बाद ओमान की खाड़ी में प्रवेश कर चुका है। यह कार्गो आम तौर पर घरेलू गैस के सिलेंडर वाली एलपीजी को ही देने में इस्तेमाल होता है। रिपोर्ट बताती है कि ईरान-अमेरिकी नाकाबंदी के चलते जलमार्ग का यातायात पूरी तरह से बाधित था। ऐसे वक़्त में भारतीय जहाज पहली बार इस जलमार्ग से गुजरा है। बता दें कि यह विशाल जहाज आम तौर पर फारस की खाड़ी और भारतीय बंदरगाहों के बीच परिचालन करता है। इस जहाज का गंतव्य स्थान भारत ही है। इसमें भारतीय नागरिक चालक दल के सदस्य हैं, जो संघर्ष के दौरान जोखिम को कम करने के लिए जहाजों द्वारा अक्सर उठाया जाने वाला एक कदम है।

■ अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर दी चेतावनी, ईरान का भी पलटवार

अमेरिका और ईरान में जुबानी जंग जारी है। दोनों देश एक दूसरे को आए दिन धमकी दे रहे हैं। इस बीच, भारत से जुड़ा एलपीजी टैंकर वाला जहाज होर्मुज को पार किया। एलपीजी वाहक ‘सर्व शक्ति’ ईरान के लारक द्वीप के करीब से गुजरा और इस चेकपॉइंट से गुजरने के लिए तेहरान द्वारा निर्धारित मार्ग का पालन किया। यह जहाज 45,000 टन गैस और 18 भारतीय चालक दल के सदस्यों को लेकर विशाखापत्तनम के एक बड़े एलएनजी टर्मिनल की ओर जा रहा है।

ईरान बोला- होर्मुज को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना देंगे

ईरान के सीनियर अधिकारी मोहसिन रजाई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना दिया जाएगा। मोहसिन रजाई पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड में कमांडर रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिकी सेना को समुद्री लुटेरा (पाइरेट) बताते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का इकलौता ऐसा पाइरेट है जिसके पास एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। रजाई ने पिछले महीने इस्फ़ाहान में एक अमेरिकी F-15E विमान गिराए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे उस विमान का मलबा पड़ा था, वैसे ही अमेरिकी जहाजों और सैनिकों का भी अंजाम हो सकता है।



जहाज की यात्रा और तकनीकी चुनौतियां

‘सर्व शक्ति’ फरवरी की शुरुआत में पश्चिम गल्फ में दाखिल हुआ था और इसे दुबई के पास जहाज-से-जहाज ट्रांसफर के जरिए कार्गो मिला था, हालांकि कार्गो का स्टैंक स्रोत स्पष्ट नहीं हो पाया है। होर्मुज से गुजरने में आमतौर पर 10 से 14 घंटे लगते हैं, लेकिन इस क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप के कारण जहाज की लोकेशन गलत दिखाई दे सकती है। कई जहाज अपनी लोकेशन छिपाने के लिए ट्रांसपोंडर बंद भी कर देते हैं।

हॉर्मुज में अब भी टाप ट्रैफिक नारत ने उठाए कदम

हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही लगभग ठप बनी हुई है। इस दौरान भारत ने तेहरान के साथ द्विपक्षीय बातचीत के जरिए आठ एलपीजी जहाजों को इस रास्ते से निकालने में सफलता पाई है और अन्य विकल्पों पर भी काम कर रहा है। भारत ने घरेलू एलपीजी उत्पादन को 60% बढ़ाकर 54,000 टन कर दिया है, जबकि खपत घटकर 80,000 टन प्रतिदिन रह गई है। यह जानकारी पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने दी।

इधर, अमेरिका-ईरान में तल्की

ट्रंप बोले- बदसलूकी की तो फिर से सैन्य हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को ताजा धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर तेहरान ने कोई बदसलूकी की तो अमेरिका फिर से सैन्य हमला शुरू कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वह ईरान की ओर से पेश किए ताजा प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर संदेह जताया कि तेहरान का प्रस्ताव को युद्ध को समाप्त करने के लिए काफी होगा। ईरान की तरफ से पेश प्रस्ताव का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, मुझे इस समझौते की रूपरेखा के बारे में बताया गया है। अभी ये मुझे इसका सटीक मसौदा सौंपने वाले हैं। कुछ देर बाद ही अपने ट्वि सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में उन्होंने संकेत दिया कि इस प्रस्ताव पर अमेरिका का सहमत होना मुश्किल है।



शहर पहुंचा भालू मच गया हड़कंप



हरिभूमि न्यूज ►► धमतरी

रविवार को तड़के कलेक्टोरेट के आसपास कॉलोनी में भालू दिखाई देने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम ने मोर्चा संभाला। रायपुर से तुरंत एक्सपर्ट बुलाए गए। टेंकुलाइजर टीम ने भालू को गन शॉट से बेहोश किया। रेस्क्यू के बाद भालू को वापस जंगल में छोड़ दिया गया। भालू के पकड़े जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। यहां शहरी क्षेत्र में भालू के आने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले पुराना बस स्टैंड के पीछे गुरुद्वारा के पास एक भालू का सफल रेस्क्यू किया ►►शेष पेज 7 पर

पहला निशाना परफेक्ट

सड़क किनारे बाड़ी की झुरमुट में भालू छिपा था। टेंकुलाइजर टीम ने बाड़ी में ही भालू को बेहोश करने की प्लानिंग की। नगर निगम की जेसीबी पहुंची। जेसीबी के बैकेट में बिलकर टेंकुलाइजर टीम को बाड़ी में बुसाया गया।

मादा भालू की उम्र 7 वर्ष की : डीएफओ

डीएफओ कृष्ण जाधव ने बताया कि सुबह 5.45 बजे शहर में भालू आने की सूचना मिली। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर भालू की मॉनिटरिंग कर रही थी। जंगल सफारी रायपुर से टेंकुलाइजर टीम को बुलाया गया। 9 बजे मिशन शुरू हुआ। शहर पहुंची मादा भालू की उम्र 6 से 7 साल की है। वजन 100 लगभग किलो है। सफल रेस्क्यू के बाद ►►शेष पेज 7 पर

पति को फोन कर मांगी 22 लाख की फिरोती

घर में घुसकर अकेली महिला का अपहरण, बनाया बंधक

हरिभूमि न्यूज ►► सूरजपुर

वाहन बुकिंग के नाम पर घर में घुसे अज्ञात लोगों ने महिला का हाथ पैर बांधकर अपहरण कर लिया। आरोपियों ने महिला को लगभग 12 घंटे तक बंधक बनाए रखा और 22 लाख रूपए के फिरोती की मांग की। समय रहते पुलिस टीम ने क्षेत्र में नाकेबंदी की तो अपहरणकर्ता महिला को बाईपास पर छोड़कर फरार हो गए। महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से महिला दहशत में है। पुलिस अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश ►►शेष पेज 7 पर

महिला का चल रहा उपचार

घंटों तक महिला के हाथ पैर बंधे रहने के कारण वह घायल हो गई है, इसके साथ ही उसके सिर व शरीर पर चोट के निशान हैं। अपहरण की घटना से महिला काफी दहशत में है। घटना की सूचना के बाद पुलिस व परिजन द्वारा महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला का अपहरण करने की ►►शेष पेज 7 पर

बंद था छत का दरवाजा, बचकर निकलना हुआ मुश्किल

एसी ब्लास्ट से इमारत में आग, नौ जिंदा जले



हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के एक आवासीय इमारत में आग लगने से एक बच्चे समेत दो परिवारों के कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चार मंजिला इमारत में एसी ब्लास्ट से भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि विवेक विहार फेज-1 में चार मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना तड़के करीब तीन बजेकर 48 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस, दमकल और आपदा प्रबंधन दल मौके पर पहुंचे। आग ने इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर स्थित कई फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद अफरा-तफरी के बीच बचाव के लिए प्रयास शुरू किए गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि अलग-अलग मंजिलों से नौ शव बरामद किए गए।

लॉक थी सीढ़ियों, वहीं फंस गए

चश्मदीबी ने बताया कि तीन लोगों के शव सीढ़ियों पर जले हुए पाए गए। बताया जा रहा है कि आग में फंसे लोगों ने भाग कर सीढ़ियों के जरिए इमारत की छत पर दाखिल होने का प्रयास किया, लेकिन जैसे ही यह लोग छत पर बने दरवाजे तक पहुंचे, सीढ़ियां लॉक होने के कारण यह लोग वहीं फंस गए। आग उपर तक फैल गई और दरवाजा लॉक होने के कारण तीन लोग सीढ़ियों के दरवाजे पर ही मारे गए। अगर समय रहते दरवाजा खुल जाता तो शायद यह लोग जिंदा होते।

चलती फ्लाइट में यात्री ने खोला इमरजेंसी गेट, मची अफरातफरी

एजेंसी ►► वेन्नई

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ‘टेक्सीवे’ पर चल रहे विमान का आपातकालीन निकास द्वार एक यात्री द्वारा खोल दिए जाने के कारण कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। एयर अरबिया का एक विमान 231 यात्रियों को लेकर रविवार तड़के शारजाह से चेन्नई पहुंचा था।

विमान जब टेक्सीवे यानी रनवे और टर्मिनल को जोड़ने वाले निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रहा था, तभी उसमें सवार पुडुकोट्टई निवासी 34 वर्षीय युवक ने एक आपातकालीन निकास

विमान में सवार थे 231 यात्री



द्वार खोल दिया। पायलट ने विमान को तुरंत रोक दिया और प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद बम निरोधक विशेषज्ञों और सशस्त्र अधिकारियों समेत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मी तुरंत उस स्थान पर पहुंचे, जहां विमान रुका था।

इमरजेंसी गेट खोलना एक गंभीर अपराध

आपको बता दें कि विमानन नियमों के तहत टेक्सीवे या उड़ान के दौरान बिना किसी आपात स्थिति के इमरजेंसी गेट खोलना एक गंभीर अपराध है। इससे न केवल विमान के दबाव पर असर पड़ता है, बल्कि अन्य यात्रियों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। आरोपी यात्री के खिलाफ नागरिक उड्डयन सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा उसे ‘नो-फ्लाई लिस्ट’ में भी डाला जा सकता है।

अंतरिक्ष में भारत की नई छलांग, पीएम ने की सराहना

दुनिया का पहला ऑप्टोसार सैटेलाइट ‘दृष्टि’ लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

‘स्पेसएक्स’ ने रविवार को कैलिफ़ोर्निया से फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए बेंगलुरु आधारित स्टार्ट-अप ‘गैलेक्सआई’ के मिशन ‘दृष्टि’ उपग्रह का प्रक्षेपण किया। कंपनी के अनुसार, मिशन दृष्टि दुनिया का पहला ‘ऑप्टोएसएआर’ उपग्रह है, जिसमें ‘इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल’ (ईओ) और ‘सिंथेटिक अपचर रडार’ (एसएआर) सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। ईओ सेंसर धूप और साफ मौसम में उच्च गुणवत्ता की तस्वीरें लेते हैं जबकि एसएआर सेंसर ‘रडार पल्स’ के जरिए हर मौसम तथा हर समय तस्वीरें उपलब्ध कराते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि की सराहना की और युवाओं को बधाई दी है।

भारत का बढ़ता दबदबा

यह लॉन्च इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत का प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम अब दुनिया को राह दिखाने लगा है। कुछ साल पहले तक अंतरिक्ष अभियानों का मतलब सिर्फ सरकारी एजेंसियां हुआ करती थीं, लेकिन अब भारतीय स्टार्टअप्स ग्लोबल लेवल पर नया इन्वोल्वेशन कर रहे हैं।



विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगी बड़ी मदद

गैलेक्सआई का यह मिशन केवल अंतरिक्ष विज्ञान के लिए ही नहीं, बल्कि आम जनजीवन और देश की सुरक्षा के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस सैटेलाइट से मिलने वाले सटीक डेटा का इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में फसल की निगरानी, आपदा प्रबंधन (जैसे बाढ़ या तूफान के समय सटीक जानकारी, पर्यावरण संरक्षण और डिफेंस सर्विलांस के लिए किया जा सकेगा। यह एक ही बार में कई तरह की जानकारीयें जुटाने में सक्षम है, जिससे समय और पैसे दोनों की भारी बचत होगी।

बेहद खास है यह मिशन

आसान भाषा में समझें तो ऑप्टो-सार एक ऐसी एडवांस तकनीक है जो ऑप्टिकल कैमरे और सिंथेटिक अपचर रडार दोनों की खूबियां को एक ही सैटेलाइट में मिला देती है। अनुमन, साधारण सैटेलाइट बादलों के कारण या रात के अंधेरे में धरती की साफ तस्वीरें नहीं ले पाते हैं। लेकिन ऑप्टो-सार तकनीक की मदद से यह सैटेलाइट किसी भी मौसम में, चाहे घने बादल हों या घुप अंधेरा, धरती की बेहद स्पष्ट और हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरें ले सकता है। दुनिया में अब तक किसी भी देश या कंपनी ने इन दोनों तकनीकों को एक साथ एक सैटेलाइट में सफलतापूर्वक नहीं जोड़ा था।

भोरमदेव जंगल सफारी का भव्य शुभारंभ, पर्यटकों को मिलेगा रोमांचक अनुभव

कबीरधाम जिले में प्रकृति और रोमांच के संगम के रूप में विकसित भोरमदेव जंगल सफारी का रविवार को शुभारंभ किया गया। इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का लोकार्पण प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप एवं सांसद संतोष पाण्डेय द्वारा फीता काटकर किया गया।

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ कवर्धा

लगभग 36 किलोमीटर लंबी यह जंगल सफारी घने वनों, ऊँची पहाड़ियों और समृद्ध जैव विविधता के बीच पर्यटकों को अनोखा अनुभव प्रदान करेगी। करीब 352 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस अभ्यारण्य में तैयार इस सफारी का मुख्य प्रवेश द्वार भोरमदेव मंदिर के समीप करियाआमा क्षेत्र में बनाया गया है, जहां से पर्यटक सफारी के लिए प्रवेश करेंगे। शुभारंभ अवसर पर अतिथियों द्वारा नेचर गाइडों को जिप्सी की चाबी एवं टेंट कैम्पिंग सामग्री प्रदान की गई, वहीं महिला स्व-सहायता समूहों को बर्तन किट वितरित किए गए। इसके बाद अतिथियों ने दूरदूरी जलप्रपात तक सफारी भ्रमण कर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया।

उप मुख्यमंत्री शर्मा, वन मंत्री कश्यप व सांसद पाण्डेय ने किया शुभारंभ

यादगार रहेगी जंगल सफारी: मंत्री केदार

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जंगल, जल और पहाड़ स्वदेव से दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं और यहीं किसी भी क्षेत्र को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि छत्तीसगढ़, विशेषकर भोरमदेव क्षेत्र, प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है, जहाँ के घने जंगल, पर्वत और सुरम्य दृश्य पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि भोरमदेव जंगल सफारी का निर्माण अत्यंत आकर्षक और व्यवस्थित तरीके से किया गया है, जिससे यहाँ आने वाले पर्यटक प्रकृति के बीच एक यादगार अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।



पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य से जोड़कर स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना उद्देश्य: डीएफओ

डीएफओ निखिल अग्रवाल ने बताया कि इस सफारी का उद्देश्य न केवल पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य से जोड़ना है, बल्कि स्थानीय जैव विविधता के संरक्षण और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा देना है। सफारी मार्ग को इस प्रकार विकसित किया गया है कि पर्यटक घने जंगलों, पहाड़ियों, नदियों और घास के मैदानों के बीच प्रकृति को उसके वास्तविक स्वरूप में अनुभव कर सकें। भोरमदेव जंगल सफारी केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार सृजन और सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन का सशक्त माध्यम है। इस पहल से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की संभावना है, साथ ही स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ प्राप्त होगा।

खबर संक्षेप

प्रदेश के पांच सिविल जज जुनियर डिवीजन ने इस्तीफा दिया



बिलासपुर। विधि एवं विधार्थी कार्य विभाग ने हाईकोर्ट की अनुशंसा पर प्रदेश के पांच सिविल जज जुनियर डिवीजन के त्यागपत्र को स्वीकार करते हुए उन्हें कार्यमुक्त करने का आदेश जारी किया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में न्यायिक सेवा में पदस्थ पांच सिविल जज जुनियर डिवीजन ने व्यक्तिगत कारण से त्यागपत्र दिया था। हाईकोर्ट ने जांच उपरांत पांचों के त्यागपत्र को मंजूर करने विधि एवं विधार्थी कार्य विभाग से अनुशंसा की थी। इसी कड़ी में विधि एवं विधार्थी कार्य विभाग ने द्विव सिंह सेंगर सिविल जज जुनियर डिवीजन दुर्ग, प्रिय दर्शन गोस्वामी चतुर्थ सिविल जज जुनियर डिवीजन महासमुंद, कुमारी नंदनी पटेल सिविल जज जुनियर डिवीजन रायपुर, कुमारी भास्मिनी राठी अष्ठम सिविल जज जुनियर डिवीजन रायपुर एवं अर्पित गुप्ता प्रथम सिविल जज जुनियर डिवीजन रायपुर के त्यागपत्र को स्वीकार करते हुए उन्हें कार्यमुक्त करने का आदेश जारी किया है।

सुशासन में सरख्ती : अफसर पर भड़के मुख्यमंत्री ने कहा- मीटिंग से बाहर जाइए और सही जानकारी लेकर आइए

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार में बलरामपुर प्रवास के दौरान समीक्षा बैठक में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर सख्त संदेश दिया। उन्होंने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की। बैठक के दौरान जब लोक निर्माण विभाग का एक अधिकारी सड़क मरम्मत की सही जानकारी प्रस्तुत नहीं कर पाया तो मुख्यमंत्री ने उसी वक्त दो टूक कहा, “मीटिंग से बाहर जाइए, अपने सचिव से बात करिए और सही जानकारी लेकर आइए।”

मुख्यमंत्री ने कहा, हम सभी जनता के सेवक हैं और अपने-अपने कार्यालयों को सेवार्थी की तरह देखें, जहां आम जनता की सेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार का विकास सबसे पहले सड़कों पर दिखाई देता है, इसलिए मानसून आने से पहले एक भी सड़क खराब नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि सभी सड़कों की मरम्मत समयसीमा में पूर्ण की जाए और विशेष रूप से आबादी क्षेत्रों की सड़कों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, कार्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।



राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण होगा

मुख्यमंत्री श्री साय ने घोषणा की कि राज्य के सभी राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण किया जाएगा, जिससे नागरिकों को खसरा-नक्शा डिजिटल हस्ताक्षर के साथ घर बैठे उपलब्ध हो सकेगा। इसके साथ ही “मुख्यमंत्री हेल्पलाइन” सेवा भी शीघ्र प्रारंभ की जाएगी, जिसमें टोल फ्री नंबर के माध्यम से आमजन अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि राजस्व मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

डीएमएफ की राशि गांवों में खर्च हो

मुख्यमंत्री ने जिला खनिज संस्थान न्यास निधि के उपयोग पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इस निधि की अधिकतम राशि खनन प्रभावित गांवों के विकास में खर्च की जानी चाहिए। मुख्यालय के नाम पर इस राशि का उपयोग स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने बलरामपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज संसाधनों के बेहतर और पारदर्शी उपयोग के निर्देश भी दिए।

स्टॉपडैम, जलाशय मरम्मत, कृषि सिंचाई योजनाओं और खेल मैदानों की भी मांग

सुशासन तिहार में लोगों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। 3 दिन में ही 21 हजार से ज्यादा आवेदन प्रशासन के पास पहुंचे हैं। इन आवेदनों को वेब पोर्टल पर अपलोड कर निराकरण के लिए समस्या निवारण शिविरों में रखा जाएगा। नक्सियों और कलेक्टरों को भी आवेदनों के समय पर निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। अलग-अलग जिलों के लोगों ने सिंचाई नहर निर्माण-मरम्मत, स्टॉपडैम, नई सिंचाई योजनाओं की भी मांग की है। सुशासन तिहार शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री, विधायक और अधिकारी भी अलग-अलग जिलों के गांवों में पहुंचकर लोगों से बात कर रहे हैं और उनकी मांगों एवं शिकायतों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। पहले 3 दिनों में ही शासन-प्रशासन के पास 21 हजार से ज्यादा आवेदन पहुंच चुके हैं। सुशासन तिहार में लोग शिकायतों से ज्यादा मांगों और सुविधाओं से संबंधित आवेदन सौंप रहे हैं। अधोसंरचनाओं और सुविधाओं की मांग ज्यादा हो रही है। बड़ी संख्या में लोग जमीन के पट्टे की भी मांग कर रहे हैं। ऐसे 37 आवेदन सरकार के पास पहुंचे हैं। इसी तरह सड़क मरम्मत के 26, प्रधानमंत्री आवास के 49 और सड़क पुल-पुलिया निर्माण के लिए भी 58 लोगों ने अपने आवेदन दिए हैं। गर्मी के इस मौसम में जलाशयों, स्टॉपडैम और नल कनेक्शन की भी बड़ी संख्या में मांग आ रही है। सिंचाई नहर निर्माण और मरम्मत के ही दो दर्जन से ज्यादा आवेदन पहुंच चुके हैं। इसके अलावा जलाशय निर्माण के 12, स्टॉपडैम के 12, कृषि सिंचाई योजनाओं के 15 आवेदन दिए गए हैं।

न्यायालयीन महिलाकर्मों की हत्या के आरोपी को जीवनभर कैद में रहना होगा

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने न्यायालयीन महिला कर्मों से दुष्कर्म और हत्या के आरोपी की मृत्युदंड की सजा को परिवर्तित करते हुए जीवनभर कैद की सजा में बदला है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बड़ी सजा सिर्फ बहुत ही रेग्यरेस्ट ऑफ़ रेयर मामलों में ही दी जा

सकती है। प्रकरण के मुताबिक बेमेलत परिवार न्यायालय में भृत्य के पद में कार्यरत महिला के साथ उसके परिचित शंकर निषाद पिता रूप सिंह निषाद, उम्र 25 साल, निवासी गाँव सुखदा, पुलिस स्टेशन डभरा ने जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया और फिर हत्या कर दी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।



घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा

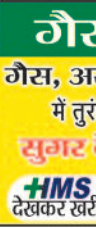
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोह, सूजन पर, सर्दी-जुकाम पर, खाली व श्याम (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गाढ़ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्ली पर, टॉसिल बढ़ने पर, कुंठा वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, घट फूटने पर, घट दर्द व गैस पर, ताने घाव का खुन बंद करने के लिए, पके घाव के बारे और सूजन पर, खान-खुजली पर, उदती हुई फुड़िया, बिरुटी आदि पर, बुरों पर, बिवाई फटने पर, बरं काटने पर, बिखू काटने पर, कटावट पर असरकारक है।



गैस-ब्राइट

Gas Bright

Gas Bright is a powerful medicine for gas, bloating, and indigestion. It is safe and effective for all ages.



गैस आउट सिरप

गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन

में तुरंत असरकारक नेचुरल आयुर्वेदिक है

सुगट के मरीज भी ले सकते हैं...

एक बार उपयोग

देखकर खरीदें

कर देखें

94060-21769

टैले वालों को मेयर ने कहा- थप्पड़ मारूंगी?

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ दुर्ग

शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान दुर्ग की महापौर अलका बाघमरा का इंदिरा मार्केट के पास एक टैले वाले से अपशब्द कहे जाने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसे लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने आपत्ति दर्ज की है। उन्होंने इस घटना को निंदनीय बताया है। नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने कहा कि एक संभ्रांत नागरिक को सार्वजनिक रूप से थप्पड़ मारने की धमकी देना घोर निंदनीय है। इसके लिए महापौर को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। वीडियो में नजर आ रहा है कि शनिवार की शाम अतिक्रमण हटाने के दौरान महापौर द्वारा निराला



चाट के दुकानदारों को थप्पड़ मारने की बात कही जा रही है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि तुम्हें 10 बार कहा जा चुका है, लेकिन तुम्हारी समझ में नहीं आ रहा है। इसके बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व पार्षद अब्दुल गनी, लिखन साहू, अमृत लोढ़ा, अनिल देवांन, संजय सिंह, मनोज चंद्राकर, हामिद खोखर ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के लिए वैधानिक कार्रवाई की जानी है।

मेरा उद्देश्य गलत नहीं था, अन्य तरीके से पेश किया जा रहा

इस मामले में मेरा उद्देश्य गलत नहीं था। कांग्रेसी इसे गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। मेरे शब्द गलत हो सकते हैं, लेकिन इरादे गलत नहीं हैं। बहुत बार समझाइश देने के बाद भी सड़क पर दुकान लगाई जा रही थी। यदि कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसके लिए किसी जवाबदेही होगी। पूरे शहर ने मुझे चुना है। उनकी माननाओं के अनुरूप ही मेरे द्वारा काम किया जा रहा है। अच्छी मानसिकता के साथ शहर से अतिक्रमण हटाना जा रहा है। कांग्रेसी अनावश्यक मामलों में राजनीति कर रहे हैं।

चाइल्ड केयर क्लीनिक में लगी आग बाल-बाल बची मासूमों की जान

कोरबा। शहर के एक निजी चाइल्ड केयर अस्पताल में उस वक्त हड़कंप मच गया जब आँखसीजन सिलेंडर की सप्लाई के लिए लगाए गए फैमल बोर्ड में खरबा होने की वजह से ब्लास्ट हो गया और आग लग गई। अस्पताल में अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गई। गनीमत यह रही कि आग बुझाने के लिए हॉस्पिटल में फायर सिस्टम लगाया गया था। जिसका उपयोग कर तत्काल आग पर काबू पाया गया। अस्पताल के चाइल्ड केयर यूनिट में 15

बच्चे मर्ते थे। घटना का सुखद पहलू यह रहा कि किसी तरह की जवाहनि नहीं हुई अन्यथा किसी बड़ी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। उल्लेखनीय है कि शहर के निहारिका स्थित मुख्य मार्ग पर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. हरिश नायक द्वारा अस्पताल का संचालन किया जाता है। अस्पताल में नवजात शिशुओं के उपचार के लिए चाइल्ड केयर यूनिट की स्थापना की गई है। जहां बच्चों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

अस्पताल के ऑक्सिजन सिलेंडर सप्लाई में लगे फैमल बोर्ड में हुआ विस्फोट

हरिभूमि

HEALTH CARE

छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना

मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल

डॉ राका शिवहरे

Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR

MBBS, MD FNIC FIPA

शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

दक्षिका हेल्थ केयर & डायबिटिक सेंटर

ADULT VACCINATION CENTER

(डायबिटिक, थायरॉइड, ब्लड प्रेशर, आर्बोसिटी, वेनसोनिशन, हार्ट केयर)

जहाँ Diabetes, Thyroid, Hypertension (Blood Pressure) का मिलता है Expert Care

■ Better Experience ■ Fully Dedication ■ Accurate

पता : शॉप नं. 14 एवं 15, ग्राउंड फ्लोर, EDGE COMPLEX मोबा रायपुर ☎ : 9202222391, 8871865551, 7723068129

डॉ. दीपक जायसवाल

MBBS, MD (General Medicine) PGDIB, CCEBDM (Diabetes), FICP Senior Consultant Physician & Diabetologist

डॉ. नेहा रानी गुप्ता

BDS, MDS(Dental Specialist) (दंत सुविधा उपलब्ध)

AB आई हॉस्पिटल

आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध

लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किरपायती दरों में

पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल

चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ

स्कीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक

सिटी कोतवाली के पास, छोटापाड़ा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर)

कोअल्शेन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं

• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कर्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट • ऑंकोलॉजी (सर्जिकल) • गायकोलॉजी

लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कर्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट

स्कीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक

सिटी कोतवाली के पास, छोटापाड़ा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अग्रवाल हॉस्पिटल

(मल्टीस्पेशियलिटी सेंटर)

जी.ई.स्टेड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग.) 492001

फोन : +91-0771-4088107/108, ईमेल:सीटी नंबर 910987735, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

सभी प्रकार के रिकन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, गुंलहे, झाँड़, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

अष्टविनायक हॉस्पिटल

बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल

• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन

• आमा सिक्वी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), ☎ 9826182221 ☎ 9301744425

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

सिंधानिया स्किन केयर

Makeover

36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉलेक्स, कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311

रानी नरिंद के पास, केनाल सिडिग रोड, रवीनगर, रायपुर

मो. 94252-14479 0771-4020411

www.makeoverraipur.com

त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर ☎ 9644099925

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ☎ 0771-4003777, 77778-76292</



एजेसी ►► उत्तरकाशी

रविवार की सुबह उत्तराखंड के कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली और घने काले बादलों ने दिन को रात में तब्दील कर दिया। देहरादून में तड़के से ही मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। नदी-नाले उफान पर आ गए, कई मोहल्लों में पानी भर गया और जगह-जगह ओले गिरने से लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। गंगोत्री नेशनल हाईवे पर मनेरी के पास पहाड़ी से अचानक इतने जौर से पानी का रेला आया कि देखते ही देखते वहां एक विशाल झरना बन गया। राजमार्ग पर चल रहे राहगीर और वाहन चालक हक्के-बक्के रह गए। लोग जान बचाकर भागे। हाईवे कुछ देर के लिए अवरुद्ध हो गया और यातायात थम गया।

उत्तराखंड में बारिश-ओलावृष्टि से हालात हो गए बेकाबू

खास बातें

- देशभर में बदले मौसम ने मचाई तबाही,
- यातायात को कर दिया जाम
- सेना को संभालना पड़ा मोर्चा



टिहरी : टिहरी जिले में टिहरी बांध झील पर तूफान के कारण डोबारा-चांटी पुल के पास तेरती झोपड़ियों के एक घाट को नुकसान पहुंचने के बाद एसडीआरएफ क्रमियों ने मोर्चा संभाला।

शनिवार शाम टिहरी झील के डोबारा-चाटी क्षेत्र में अचानक आई आंधी ने कहर बरपाया। झील पर बने फ्लोटिंग हटमेंट तूफान की चपेट में आ गए।कुछ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए, कुछ पानी में बह गए। इस हादसे में करीब 25 से 30 पर्यटक झील क्षेत्र में फंस गए। एसडीआरएफ की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन में कोई जनहानि नहीं हुई।

फ्लोटिंग हटमेंट तूफान की चपेट में आए

नैनीताल और अल्मोड़ा में भी मचा हड़कंप, रेलिंग ढही

नैनीताल जिले के हल्द्वानी, कोटबाग, कालाढूंगी और खुर्पाताल में सुबह-सुबह भारी ओलावृष्टि हुई। फसलों और बागानों को नुकसान पहुंचने की खबर है। अल्मोड़ा में शनिवार देर शाम आए तूफान ने नगर में अफरा-तफरी मचा दी। नगर निगम भवन की रेलिंग ढह गई और कई दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हरिद्वार में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जबकि ऊधम सिंह नगर के खटौमा में हल्की बूंदबांदी दर्ज की गई।

रायबरेली में पड़े ओले

यूपी में मौसम एक बार फिर से पलट गया है। रात से ही अवध के कई जिलों में अच्छी बरसात हुई। सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर, अमेठी, रायबरेली सहित कई जिलों में रविवार की सुबह हल्की बरसात हुई। रायबरेली में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई।

पंजाब में घना कोहरा छाया रहा

पंजाब में काले घने बादलों के पहरे के साथ हुई। सुबह के वक़्त ही रात जैसा नजारा बन गया। सड़कों पर गाड़ियों को हेडलाइट्स जलाकर चलना पड़ा। 50 किमी/घंटा की रफ्तार से चलीं हवाएं। मदेखते ही देखते करीब 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज तूफानी हवाएं चलने लगीं।

हरियाणा में जनजीवन अस्त- व्यस्त

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से हरियाणा के उत्तरी जिलों में रविवार सुबह अंबाला और यमुनानगर में जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज आंधी और धूल के गुबार के कारण सुबह के समय ही सड़कों पर अंधेरा छा गया, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

राहत की बात- विस्फोट में कोई हताहत नहीं

मणिपुर हिंसा के 3 साल पूरा होने पर बम धमाके से दहला इंफाल

एजेसी ►► इंफाल

मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में इंफाल हवाई अड्डे के पास संदिग्ध उग्रवादियों ने रविवार को बम विस्फोट किया। यह विस्फोट राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के 3 वर्ष पूरे होने पर हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि यह बम विस्फोट इंफाल हवाई अड्डे से एक किलोमीटर से भी कम दूर सिंगजामेई थाना क्षेत्र के मालोम में एक रमशानघाट के पास हुआ। उन्होंने कहा कि विस्फोट में किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। घटना स्थल 'प्रादेशिक सेना' के एक शिफिर के भी नजदीक है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के बाद इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है और स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जांच चल रही है।

एयरपोर्ट के पास हुआ विस्फोट



केसीपी ने ली विस्फोट की जिम्मेदारी

प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) ने पृाह्न 11:50 बजे हुए इस विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। केसीपी ने कहा कि उसने राज्य में बार-बार होने वाले बंद, नाकेबंदी और कामकाज ठप्प होने के विरोध में विस्फोट किया, जिससे सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है। वर्ष 2023 से लेकर अब तक जातीय संघर्षों में कम से कम 260 लोग मारे गए हैं और हजारों निवासी बेघर हो गए हैं।

मणिपुर में लगभग 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की

मणिपुर को लगभग 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय से है, जिनमें से ज्यादातर लोग इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि गंगा और कुकी सहित आदिवासी समुदाय की आबादी 40 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं। पिछले साल 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था, जब बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने महीनों तक चले जातीय हिंसा के बाद 9 फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2021 तक है, राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद निर्लंबित कर दी गई थी। भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह के चार फरवरी को मुख्यमंत्री बनने के साथ राज्य में नई सरकार के गठन से कुछ घंटे पहले, राष्ट्रपति शासन हटा दिया गया था।

व्यावसायिक रहीं गतिविधियां ठप

अधिकारियों ने बताया कि कुकी बहुल कांगपोकपी जिले में जनजातीय एकता समिति (सीओटीयू) की ओर से सुबह 6 बजे से 12 घंटे के बंद के आह्वान के कारण व्यावसायिक गतिविधियां ठप रहीं। कुकी के लिए मेइती समुदाय के साथ रहना असंभव होने का दावा करते हुए सीओटीयू उनके लिए अलग प्रशासन की मांग कर रहा है। हिंसा में मारे गए 100 से अधिक कुकी- जो पीड़ितों को फाईजांग के शहीद कब्रिस्तान में श्रद्धांजलि दी गई।

निकाली गई रैलियां, बंद का आह्वान

मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों के बीच हुई जातीय हिंसा के तीन साल पूरे होने के मौके पर राज्य में विभिन्न स्थानों पर रैलियां निकाली गईं और बंद का आह्वान किया गया। इस हिंसा में कम से कम 260 लोगों की मौत हो गई थी, हजारों निवासी विस्थापित हुए और राज्य में एक साल तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा था। मेइती और कुकी समुदायों के बीच हिंसा 3 मई 2023 को उस समय भड़की थी, जब मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की उसकी मांग के विरोध में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' का आयोजन किया गया था। रविवार को इंफाल घाटी के कई जिलों में मेइती समूहों ने जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने और मणिपुर की प्रशासनिक और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की मांग को लेकर जुलूस निकाले। वहीं, कुकी-जो संगठनों ने कांगपोकपी जिले में बंद का आह्वान किया और दुराचंदपुर जिले में हिंसा पीड़ितों को याद में बैठकें कीं। संयुक्त सुरक्षा समिति ने बिष्णुपुर जिले के नामबोल में निकाली रैली में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

ट्रंप ने जर्मनी पर किया डबल अटैक

अमेरिकी सैनिक बुलाए गए वापस कारों पर 25% टैरिफ भी लगाया

एजेसी ►► वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जर्मनी के खिलाफ एक साथ दो मोर्चों पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पूरी दुनिया को चौंका दिया है।

ट्रंप ने न केवल जर्मनी से अमेरिकी सैनिकों को वापसी का दायरा बढ़ाने का संकेत दिया है, बल्कि यूरोपीय संघ से आने वाले वाहनों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा भी कर दी है। ट्रंप का यह डबल अटैक अटलांटिक पार के रिश्तों में बढ़ती

तल्खी को साफ दर्शाता है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि जर्मनी में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या में होने

वाली कटौती केवल 5 हजार तक सीमित नहीं रहेगी। फ्लोरिडा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने दो-टुक कहा कि पेंटागन द्वारा बताए गए 5 हजार का आंकड़ा बहुत छोटा है

और आने वाले समय में इससे कहीं ज्यादा सैनिकों की 'छुट्टी' की जाएगी। ट्रंप की इस नाराजगी को मुख्य वजह व्यापारिक समझौतों का सही से पालन न होना है।

दोसांझ के कॉन्सर्ट में खालिस्तानी झंडा लहराए

दिलजीत ने प्रदर्शनकारियों को रोका कहा- हंगामा बंद करें और चले जाएं

एजेसी ►► टोरंटो

कनाडा के कैलगरी में आयोजित एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान मशहूर पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने खालिस्तान समर्थकों को कड़ी फटकार लगाई है।

कार्यक्रम के दौरान जब कुछ लोग भारत में प्रतिबंधित आतंकी समूहों के झंडे लहराकर हंगामा करने लगे, तो दिलजीत ने मंच से ही उन्हें टोक दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को स्पष्ट शब्दों में हंगामा बंद करने और

वहां से चले जाने की हिदायत दी।

यह पहली बार नहीं है जब दिलजीत के कार्यक्रमों में खालिस्तानी तत्वों ने बाधा डालने की कोशिश की हो, लेकिन गायक ने इस बार कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें मंच से ही बाहर का रास्ता दिखा दिया।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा ने अपनी हालिया रिपोर्ट में देश के भीतर खालिस्तानी चरमपंथ के बढ़ते खतरे को स्वीकार किया है।



नेपाल में खलबली, खुलेंगी पुरानी फाइलें!, आयोग करेगा सभी संपत्तियों की जांच

45 दिन के भीतर जांच प्रक्रिया शुरू हो जाएगी

एजेसी ►► काठमांडू

नेपाल में इस हफ्ते हुए एक घटनाक्रम ने हलचल मचा दी है। नेपाल में नए बने उच्च-स्तरीय संपत्ति जांच आयोग को 10,000 लोगों की प्रोपर्टी की जांच करने के लिए व्यापक अधिकार दिए गए हैं। इससे पहली बार सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और नेपाली सेना के पूर्व प्रमुख जांच के दायरे में आए हैं। नेपाल के पूर्व चीफ जस्टिस और सेना प्रमुख की संपत्ति में बढ़ोतरी

की जांच ये आयोग कर सकता है, जिससे शीर्ष स्तर पर फिक्र देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को प्रकाशित नेपाल राजपत्र (गैजट) की एक सूचना में आयोग के अधिकार क्षेत्र की रूपरेखा दी गई है। इससे पता चलता है कि आयोग का दायरा काफी विस्तृत है। इसमें सरकारी कर्मचारी, राजनीतिक रूप से नियुक्त अधिकारी, प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद, स्थानीय सरकार के प्रमुख, उनके उप-प्रमुख जांच के दायरे में हैं।

सेना प्रमुखों से होगी शुरुआत

काठमांडू में आयोग के एक अधिकारी ने बताया है कि 10,000 से अधिक लोग इस जांच के दायरे में आएंगे। हालांकि अभी इसकी सटीक संख्या बताना संभव नहीं है। जांच आयोग अधिनियम, 1969 के तहत 15 अप्रैल को गठित इस संस्था को पूर्व अधिकारियों की संपत्ति की जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। आयोग को अपने पहले चरण में सेना प्रमुखों और जनरलों के साथ-साथ 2006 के बाद सेवा देने वाले जजों की संपत्ति पर ध्यान केंद्रित करेगा।

सेवारत अधिकारी फिलहाल इससे दूर

सेवारत अधिकारी फिलहाल आयोग की सीधी जांच के दायरे में नहीं हैं। उनके खिलाफ मिलने वाली किसी शिकायत को संबंधित अधिकारियों के पास भेजा जाएगा। आयोग को पूर्व अधिकारियों की संपत्ति की जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। इनमें वे अधिकारी भी शामिल हैं।

MARUTI SUZUKI ARENA

VICTORIS

INDIAN CAR OF THE YEAR 2026

INTRODUCTORY PRICE
₹10.50 LAKH*
LIMITED PERIOD ONLY

LEVEL 2 ADAS WITH 10+ FEATURES

DOLBY ATMOS SPATIAL SOUND EXPERIENCE

SMART POWERED TAILGATE WITH GESTURE CONTROL

64-COLOUR AMBIENT LIGHTING

AVAILABLE IN STRONG HYBRID

SCAN AND CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

CONTACT US AT **1800-102-1800**

ICOTY Partner Media

[AutoRadar](#) | [autoX](#) | [CSE](#) | [CarDekha](#) | [carwale](#) | [भारत](#) | [MOTORING](#) | [ऑटोमोबाइल](#) | [TimesPrime](#) | [turbocharged](#)

Applicable T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Car colour may vary due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. ADAS features are for driver assistance only. Driver is responsible for safe and attentive driving. Features may vary by model/conditions. For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the Owner's Manual. Trademarks/logos being displayed belong to the respective owners. Infinity is the trademark of HARMAN International Industries, Incorporated. Dolby, Dolby Audio, Dolby Atmos and the double-D symbol are registered trademarks of Dolby Laboratories Licensing Corporation. Amazon, Alexa, and all related marks are trademarks of Amazon.com, Inc. or its affiliates. *Price for ex-showroom Delhi for Lxi (Petrol Variant) is ₹10.49,900/-. **The loyalty reward scheme is subject to terms and conditions. For more details visit authorised dealership. The offer is valid only on Victoris.

VICTORIS

चिंतन

विनेश फौगाट की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

भारतीय खेल जगत एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां प्रदर्शन से ज्यादा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट द्वारा बृजभूषण शरण सिंह पर लगाए गए ताजा आरोप केवल एक व्यक्तिगत विवाद नहीं हैं, बल्कि यह पूरे खेल तंत्र की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और संवेदनशीलता की परीक्षा बन चुके हैं। यह संस्थागत जवाबदेही और महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। ऐसे में सरकार को भी चाहिए कि वह विनेश समेत सभी महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। विनेश का बयान एक संवेदनशील और असहज सच को सामने लाता है कि देश के शीर्ष स्तर के खिलाड़ी भी खुद को सुरक्षित और निष्पक्ष माहौल में नहीं पाते। अगर एक ओलंपियन को यह कहना पड़ रहा है कि वह किसी प्रतियोगिता में अपना 100% नहीं दे पाएंगी, तो यह केवल व्यक्तिगत मानसिक स्थिति का मामला नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का भी संकेत है। बता दें कि यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सोनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट होने जा रहा है। गोंडा जाने को लेकर विनेश ने असुरक्षा का खतरा बताया है। हालांकि इस मामले का दूसरा पहलू यह भी है कि गोंडा में होने वाले टूर्नामेंट में देशभर से करीब 1400 खिलाड़ी भाग लेंगे। ऐसे में विनेश द्वारा उठाया जा रहे सवाल क्या जायज हैं, यह भी एक बड़ा सवाल है। कहीं, विनेश वहां जाने से बचने के लिए तो ऐसा नहीं कर रही हैं, क्योंकि उनके भारवर्ग 57 किलोग्राम में तीन अन्य महिला खिलाड़ी अंशु मलिक, मनीषा बनवाल भी मुकाबला करेंगी, जहां इन पहलवानों के साथ विनेश का मुकाबला होना तय माना जा रहा है। या वे राजनीति से प्रेरित होकर ऐसा कदम उठा रही हैं। बहरहाल, देश की इस बड़ी खिलाड़ी को ऐसी डिमांड नहीं करनी चाहिए। बता दें कि विनेश ने आशंका जताई है कि गोंडा (बृजभूषण शरण सिंह का प्रभाव क्षेत्र) में प्रतियोगिता में उनके साथ या उनकी टीम के साथ कुछ अग्रिय घटना हो सकती है और यदि ऐसा कुछ होता है, तो भारत सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां निष्पक्षता के साथ फैसले नहीं होंगे। वहीं, इस मामले में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने विनेश के आरोपों को ‘बेवजह का हंगामा’ बताया है और कहा कि विनेश का रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने विनेश की सुरक्षा की ‘निजी गारंटी’ देते हुए उन्हें राजनीति न करने की नसीहत दी है। यौन उत्पीड़न के आरोप केवल कानूनी मुद्दे नहीं होते, वे सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी तय करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन पीड़ित की पहचान को गोपनीय रखने की बात करती है, लेकिन जब एक खिलाड़ी खुद सामने आकर अपनी पहचान स्वीकार करती है, तो यह दिखाता है कि वह भीतर से कितनी दबाव और असुरक्षा महसूस कर रही होगी। यह स्थिति अन्य महिला खिलाड़ियों के लिए भी एक नकारात्मक संदेश दे सकती है। अंततः, यह मामला केवल एक खिलाड़ी और एक पूर्व पदाधिकारी के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि भारतीय खेल व्यवस्था के चरित्र और विश्वसनीयता की परीक्षा है। यदि इस असर पर उच्चाधिकार कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर केवल कुश्ती तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे खेल जगत में अविश्वास की भावना गहराएगी। अब जरूरत है खेल मंत्रालय और डब्ल्यूएफआई ठोस कार्रवाई, पारदर्शी प्रक्रिया और खिलाड़ियों के भरोसे को फिर से कायम करने करे, क्योंकि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास और निष्पक्षता का प्रतीक भी हैं।

सियासत
राज कुमार सिंह



पंजाब : प्रचंड बहुमत के बावजूद विश्वास मत!

आमतौर पर नगरगठित सरकार ही सदन में विश्वास मत हासिल करती है या फिर राजनीतिक उठापटक के बीच किसी सरकार को सदन में बहुमत हासिल करने के लिए कहा जाता है, लेकिन पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी यानि आप सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर विश्वास मत हासिल किया। उसके लिए श्रमिक दिवस को ही चुनकर भी खास संदेश देने की कोशिश की गई है। जब 117 सदस्यीय विधानसभा में आप के 94 विधायक हैं, तब उसकी सरकार के बहुमत पर किसे संदेह रहा होगा? दरअसल, इस कदम से मान सरकार ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। 2022 में प्रचंड बहुमत से पंजाब में सत्तारूढ़ हुई आप में सब कुछ सामान्य तो अरसे से नहीं चल रहा, पर हाल ही में 10 में से सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल हो जाने से शायद मान सरकार का आत्मविश्वास डगमगा गया है। इनमें से छह सांसद पंजाब से हैं। उसके बाद से ही पंजाब में भी आप में विभाजन की चर्चाएं चल पड़ी हैं। बेशक किसी भी दल के दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों का दलबदल सामान्य घटना नहीं है। फिर इनमें शामिल राघव चड्ढा और संदीप पाठक की पंजाब में आप की चुनावी सफलता में महत्वपूर्ण रणनीतिक भूमिका भी रही। जाहिर है, बेहतर संभावनाएं देख कर बड़ी संख्या में दूसरे दलों से भी आप में नेता आएं। इसलिए उनकी निष्ठा की बाबत कोई खुशफहमी आप नेतृत्व को भी नहीं होगी। फिर न सिर्फ दलबदलू सांसदों, बल्कि भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस ने भी पंजाब आगे विचार्यक दल में विभाजन और परिणामस्वरूप मान सरकार पर संकट की अटकलों को हवा देना शुरू कर दिया। दरअसल, आप पंजाब में भाजपा और कांग्रेस की साझा दुश्मन है। आप को भले ही राष्ट्रीय दल का दर्जा मिल गया हो, पर उसका मुख्य राजनीतिक आधार दिल्ली और पंजाब में ही रहा है। दिल्ली की सत्ता पिछले साल विधानसभा चुनाव में गंवा चुकी आप पंजाब की सत्ता भी खो देने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। जाहिर है, फैसला तो अगले साल पंजाब के मतदाता ही करेंगे, लेकिन एक दिन के विशेष सत्र में विश्वास मत हासिल कर मान सरकार और आप ने अपने डगमगाते आत्म विश्वास को बचाने के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए माहौल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। पंजाब में न्यूनमत मजदूरी में 15 प्रतिशत की वृद्धि का फैसला स्वागत योग्य है, पर उसका चुनावी असर अगले साल चुनाव परिणाम ही बतायेगा। विपक्ष के वॉकआउट के बीच पंश विश्वास मत प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए सदन में 88 विधायक ही मौजूद थे। छह विधायक अलग-अलग कारणों से अनुपस्थित रहे। भगवंत मान सरकार द्वारा विशेष सत्र बुला कर इस तरह विश्वास मत हासिल करने का यह कारण समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि विश्वास मत हासिल कर चुकी सरकार के विरूद्ध छह माह तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता, लेकिन इसे आप विधायक दल में अनंतकाल तक एकता की गारंटी नहीं माना जा सकता। भाजपा में शामिल हुए आप राज्यसभा सांसदों में से किसी का भी जनाधार नहीं है। ऐसे में उनके आगामी विधानसभा चुनाव में ‘गेम चेंजर’ साबित होने की गलतफहमी खुद भाजपा को भी नहीं होगी, लेकिन वे विधायक दल में विभाजन की कोशिश अवश्य कर सकते हैं। अनेक आप विधायकों को टिकट दिलवाने में राघव चड्ढा और संदीप पाठक की भूमिका रही थी। इसलिए कुछ विधायक तो उनके साथ पाला बदलने की बाबत सोच ही सकते हैं। जाहिर है, 94 विधायकों में विभाजन के लिए जरूरी दो-तिहाई का आंकड़ा आसान नहीं, लेकिन अगर जोड़तोड़ ने रफ्तार पकड़ी तो राजनीतिक उठापटक के बीच राज्यपाल छह महीने की अवधि में भी मान सरकार को विधानसभा में बहुमत साबित करने का निर्देश दे सकते हैं। ऐसे में विशेष सत्र बुला कर हासिल किया गया विश्वास मत मान सरकार की सुरक्षा की असीमित गारंटी हरगिज नहीं है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के मतदाताओं ने कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा सरीखे परंपरागत राजनीतिक दलों से निराश हो कर बड़ी उम्मीदों से 2022 में आप को सत्ता सौंपी थी, लेकिन उन पर खरा उतरने का दावा शायद ईमानदारी से आप भी नहीं कर पाएंगी। न तो नशे का कारोबार रुका, न कानून –व्यवस्था सुधरी। शिक्षा, संहत से लेकर रोजगार तक का हाल भी बुरा ही है। वैकल्पिक राजनीति का वादा करने वाली आप की सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप भी कम नहीं लगे। अगर आप में बड़ा विभाजन हुआ अथवा शिरोमणि अकाली दल और भाजपा में फिर गठबंधन हो गया, तब अवश्य आगामी चुनाव दिलचस्प हो जायेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चिंतन शिविर

मनसुख एल . मांडविया

यह शिविर बिखरे हुए प्रयासों से

हटकर सहभागी संघवाद के एक ऐसे मॉडल में बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें केंद्र और राज्य भारत के खेल इकोसिस्टम के सह-निर्माता के रूप में कार्य करते हैं। यदि भारत को वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की सफल मेजबानी करनी है तथा वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त करने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करना है तो यह समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह शिविर भारत के खेल प्रक्षेप पथ को पुनर्परिभाषित कर सकता है जिससे राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी और वर्ष 2036 तक ओलंपिक में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने का सपना न केवल आकांक्षात्मक होगा, बल्कि साध्य बन सकेगा।

अतीत पर नहीं करना चाहिए शोक

आचार्य चाणक्य ने अपने नीति ग्रंथ में जीवन से जुड़ी कई गहरी और उपयोगी बातें बताई हैं। उन्होंने रिश्तों, व्यवहार और सफलता के सिद्धांतों को बहुत ही सरल और व्यावहारिक तरीके से समझाया है। उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही असरदार और प्रासंगिक हैं, जितनी प्राचीन समय में थीं। माना जाता है कि जो व्यक्ति इन नीतियों को अपने जीवन में अपनाता है, उसके लिए सफलता के रास्ते आसान हो जाते हैं। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि यदि मनुष्य उज्जवल कर्म करके एक दिन भी जिंदा रहे, तो उसका जीवन सफल हो जाता है। ऐसा जीवन बहुत लंबा जीने से बेहतर है, जो कष्टों से भरा हो और इस लोक व परलोक दोनों के खिलाफ हो। यानी कम समय का अच्छा और सही जीवन, लंबे लेकिन गलत और दुखभरे जीवन से ज्यादा मूल्यवान होता है। बीती हुई बातों यानी अतीत पर शोक नहीं करना चाहिए, और आने वाले समय यानी भविष्य की ज्यादा चिंता भी नहीं करनी चाहिए। बुद्धिमान लोग हमेशा वर्तमान समय में रहकर ही काम करते हैं। अलग-अलग लोगों को प्रसन्न करने के तरीके अलग होते हैं और हमें उसी अनुसार व्यवहार करना चाहिए। देवता, सज्जन पुरुष और पिता ऐसे होते हैं जो स्वभाव से ही सरल और दयालु होते हैं। उन्हें खुश करने के लिए ज्यादा दिखावा या विशेष प्रयास की जरूरत नहीं होती।

जिरहनामा
कनक तिवारी

अंगरेजी के महान लेखक और दार्शनिक फ्रांसिस बेकन इंग्लैंड के 16 वीं शताब्दी में चीफ जस्टिस भी रहे। उनके जैसा उद्भट विद्वान दुनिया में नहीं हुआ। वे वहां के चीफ जस्टिस भी थे। दुखद यही था कि वे भ्रष्ट थे। वे दोनों ओर के पक्षकारों से घूस खा लेते थे। इस कारण उन्हें आजन्म कारावास भुगतना पड़ा। जेल में ही उनकी मौत हुई। उजला पक्ष यह है किसी भी संवैधानिक गुत्थी या उलझन को लेकर बेकन ने जो तर्कशास्त्र गढ़ा है। वह आज तक ढहाया नहीं जा सका। उनके फैसलों की बेकोनियन जजमेंट कहते हैं। दुनिया के तमाम न्यायिक महारथी बेकन के मुरीद हैं।

भारत दुनिया का सबसे बहुसंख्यक संवैधानिक लोकतंत्र है। जिस तरह देह में हड्डियों का ढांचा बुनियाद की तरह रहता है। उसी तरह देश का संविधान देश के विकास और जीवन की बुनियाद होता है। समझना जरूरी है कि संविधान में भारत का अतीत स्मरण या उससे निरंतरता नहीं है। आजकल लफ्फाजी का युग है। जो अपट्ट, कुपट्ट और बहुत सा जानबूझकर स्वांग करते हैं। वे जबरिया संविधान पर ऊलजलूल टिप्पणियां करते लोकतंत्र को जख्मी करते रहते हैं। संविधान नियंता बाबा साहब अम्बेडकर के इस साहसिक बयान को अपनी दृष्टि बनाने के लिए समझना होगा कि यह संविधान हम भारतीय इतिहास, पूर्व उदाहरणों और परंपराओं से सीख लेकर बिल्कुल नवीन बना रहे हैं। यह संविधान की कोख यूरो अमेरिकन उन मानवीय साहसिक उद्घाटनों में से है जो इंग्लैंड, फ्रांस, अमेरिका, जर्मनी जैसे कई देशों में हुई जनवादी क्रांति से पैदा हुई है। इसी नजरिए से संविधान को वैज्ञानिक ढंग से देखा और परखा जा सकता है। विकृत दृष्टि तो असंख्य लोगों में पैठ ही चुकी है। संविधान का अब तो कचूमर ही निकाला जा रहा है।

संविधान केवल शब्दों और लकीरों में लिखी ह्रिदायों का जखीरा नहीं होता। हर शब्द और वाक्य में अदृष्य लगती कोई परंपरा, अवधारणा या समझबूझ की बुद्धि होती है। संविधान केवल इबारतों को पढ़ना नहीं है। अपनी अनुगूँजों को सुनकर संविधान के मर्म की समझ विकसित करना न्याय सत्ता के लिए पहली और जरूरी शर्त है। खासतौर पर सुप्रीम कोर्ट के लिए जो अंतिम विधिक वचन का खोत है। कहती हैं परंपराएं कि बिना किसी को सुने

सहभागी संघीयता से खेलों का भविष्य

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का चिंतन शिविर 2026 संस्करण वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में भारत की खेल यात्रा में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण क्षण है। सप्ताहांत में श्रीनगर में आयोजित इस शिविर में केंद्रीय नेतृत्व तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों के साथ साथ प्रमुख खिलाड़ियों, खेल प्रशासकों तथा भारतीय ओलंपिक संघ को एक मंच पर लाया गया, ताकि खेल प्रशासन, खिलाड़ी विकास और ओलंपिक उत्कृष्टता के लिए एकीकृत कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया जा सके। अपने मूल में, यह शिविर बिखरे हुए प्रयासों से हटकर सहभागी संघवाद के एक ऐसे मॉडल में बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें केंद्र और राज्य भारत के खेल इकोसिस्टम के सह-निर्माता के रूप में कार्य करते हैं। यदि भारत को वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की सफल मेजबानी करनी है तथा वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त करने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करना है तो यह समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मर्च 2026 संस्करण की विशेषता इसके क्रियान्वयन-उन्मुख दृष्टिकोण परिणामों पर जोर देती है और यह भी सुनिश्चित करती है कि विचार-विमर्श के दौरान प्रस्तुत किए गए विचारों का धरातल पर मापनीय प्रभाव पड़े। इसके लिए राज्य के खेल विभागों और केंद्रीय खेल मंत्रालय के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा 'श्रीनगर खेल संकल्प' के शुभारंभ ने आगे के जमीनी सहयोगों के लिए दिशा निर्धारित की है, जिसमें राज्यों और केंद्र सरकार के साथ भारत के खेल इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने, खेल पर्यटन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्र निर्माण हेतु खेलों को बढ़ावा देने वाले प्रमुख क्षेत्रों पर सहमति बनाई गई। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारांग, जो वर्तमान में प्रशिक्षक एवं भारतीय ओलंपिक संघ के सदस्य हैं, ने सभी हितधारकों को एक मंच पर लाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2036 तक ओलंपिक में शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त करने की भारत की महत्वाकांक्षा केवल सहभागी संघीयता तथा सार्वजनिक-निजी सहभागिता के माध्यम से ही संभव है। सभी हितधारकों का एक साथ आना भारत को एक मजबूत खेल राष्ट्र बनाने के लिए सबसे बड़ा उल्टेरक सिद्ध होगा और इसकी शुरुआत इस शिविर से हो चुकी है।

भारत का खेल इकोसिस्टम स्वाभाविक रूप से संघीय है, जहां राज्य जमीनी स्तर के बुनियादी ढांचे का बड़ा हिस्सा संचालित करते हैं, स्कूली खेलों को

प्रोत्साहित करते हैं और स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान करते हैं,वहीं केंद्र सरकार राष्ट्रीय योजनाओं, उत्कृष्ट प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को बढ़ावा देती है। निर्बाध समन्वय के अभाव में यह व्यवस्था अक्षमता का कारण बन सकती है। शिविर ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत की ओलंपिक आकांक्षाएं अलग-अलग प्रयासों से नहीं, बल्कि समन्वित योजना, साझा संसाधनों और सतत प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से ही साकार हो सकती हैं। शिविर का एक प्रमुख विषय प्रारंभिक प्रतिभा आधार तैयार करना था। देश में 15 लाख से अधिक



स्कूलों और 8 करोड़ विद्यार्थियों के साथ, भारत के पास अपार प्रतिभा का भंडार है। हालांकि, इस क्षमता का करने के लिए 'खेलो इंडिया' उदीयमान प्रतिभा पहचान कार्यक्रम' जैसे एकीकृत प्रतिभा पहचान तंत्र, जिला स्तर से उत्कृष्ट स्तर तक खिलाड़ियों की प्रगति को ट्रैक करने हेतु राष्ट्रीय खेल भंडार तथा स्कूल और जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं को पुनर्गठित कर उन्हें राष्ट्रीय अकादमियों से जोड़ने वाली संरचित प्रणाली उपयोग की आवश्यकता है। वास्तव में, शिविर में हुई चर्चाओं ने यह स्पष्ट किया कि ओलंपिक पदक रातों-रात प्राप्त नहीं होते, वे एक दशक लंबी प्रक्रिया का परिणाम होते हैं, जिसकी शुरुआत जमीनी स्तर से होती है। जब राज्यों ने अपनी जमीनी प्रतिभा योजनाओं को साझा किया और केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के साथ उनके समन्वय पर प्रकाश डाला, तब यह स्पष्ट हुआ कि इस दिशा में काफी प्रगति हुई है और निरंतर सहयोग इस व्यापक लक्ष्य की प्राप्ति में एक महत्वपूर्ण घटक है। चर्चाओं से प्राप्त एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि प्रशिक्षक खेल सफलता की रीढ़ होते हैं। अतः कोचिंग प्रमाणन के मानकीकरण, प्रशिक्षकों के कौशल उन्नयन एवं कल्याण तथा पूर्व

सबसे बड़ा धन है संतोष

गौतम बुद्ध की शिक्षाएं आज भी हमें जीवन की कई परेशानियों से बचने का मार्ग दिखाती हैं। वे प्रतिदिन अपने शिष्यों को उपदेश देते थे और अपने प्रवचनों में क्रोध, अहंकार, लोभ और द्वेष को त्यागने पर जोर देते थे। उनके प्रेरणादायक विचार आज भी उतने ही प्रभावशाली हैं और हमें सफलता, संतुलन और आंतरिक शांति की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। वे कहते हैं, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी और सबसे बड़ा संबंध है और स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। दुख का मूल कारण आसक्ति है। यह विचार बताता है कि मोह और चिपकाव ही जीवन की समस्या पीड़ा का केंद्र हैं। अतीत में मत उलझो, भविष्य के सपने मत देखो, अपना ध्यान वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो। यह शिक्षा मानसिक तनाव से मुक्त होकर वर्तमान को भरपूर जीने का व्यावहारिक सूत्र है। सभा में, परिषद में और एकांत में किसी से झूठ न बोलें। झूठ बोलने के लिए दूसरों को प्रेरित न करें और न झूठ बोलने वाले को प्रोत्साहन दें। असत्य का सर्वांश में परित्याग कर देना चाहिए। गौतम बुद्ध कहते हैं अतीत पर ध्यान मत दो, भविष्य के बारे में मत सोचो, अपने मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।

बुनियादी न्यायिक अवधारणाएं कहां चली गईं

उसके बारे में फैसला मत करो। नागरिकों की आजादी उनका बुनियादी अधिकार है। उन्हें गैर जरूरी वजह से जेल में मत ठूंसो। कहती हैं अवधारणाएं भारत को वैज्ञानिक परंपराओं वाला देश बनाओ यह भी कहती हैं कि जज को एक तरह से सन्यासी जैसा रहना है। उसे घूसखोरी करते रिटायरमेंट के बाद सरकारी पद, नेता बनने की हविश, सामंती भाषा में चीखने का षऊर और रोज बल्कि बरस दर बरस बीतते अपने सिद्धांतों को



बदलने का रवैया नहीं पालना चाहिए। इन्हीं अवधारणाओं से भारतीय न्यायपालिका को कठिन या संकुल चरित्र परिवार बनाया। मातृ संस्था ब्रिटेन की सुप्रीम कोर्ट और उसके इतिहास से समानान्तर दृढ़े जाते हैं। वहां कोई ना कोई बीजक कथा मिल जाती है। वह अंधेरी राह के लिए टॉच की रोशनी बनकर उजाला बनती है। ऐसी कई मान्यताएं हैं जो भारतीय जजों के आचरण में पिछले 40, 50 वर्षों में स्थिर हो चुकी थीं। देश काफी कुछ भरोसे में रहा है कि अदालतों के रहते निजाम या और कोई जनता पर खुलेआम जुल्म नहीं कर पाएगा। धन डाकुओं को भी अदालतें ठिकाने तो लगाएंगी ही।

सृष्टि का नियम है कि समय बदलता है। भारतीय इतिहास में भी कुछ लोग संकीर्ण और जाहिल दिमाग के बने बैठे कौरव कहलाते पांडवों के साथ जुल्म

रहा है। सैकड़ों, हजारों, करोड़ों की अफरातफरी करने वाले अचानक किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाते हैं। वे प्रेत आत्माएं देवता बन जाती हैं, विदेशी ताकतों में तकनीकी आधारों पर जासूसी का जाल फैला चुकी हैं। लेकिन भारत इन सबसे बेखबर है।

न्यायपालिका ने कार्यपालिका और विधायिका के समानांतर अपनी आजाद हैसियत लगभग खो ही दी है। जनता की निगाह में वह एक सरकारी विभाग है। न्याय कॉर्पोरेटियों के अंगुठे के नीचे दबा हुआ है।

देश के पूर्व चीफ जस्टिस एस पी भरूचा ने कभी कहा था भारतीय हाई कोर्ट में एक तिहाई जज भ्रष्ट हैं। और यह संख्या बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट के एक बहुत जानदार वकील दुष्यंत दवे ने बहुत संघर्ष करने के बाद खीझकर अदानी रुख के ही कारण

खिलाड़ियों को कोचिंग इकोसिस्टम में सम्मिलित करने के प्रस्तावों को सभी हितधारकों का समर्थन प्राप्त हुआ। वर्तमान में, देशभर के लगभग 1000 खेलो इंडिया केंद्रों में पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों (पीसीए) की भागीदारी से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं, जो कोचिंग इकोसिस्टम में पूर्व खिलाड़ियों के व्यापक समावेशन के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रहा है। भारत ने विशेष रूप से खेलो इंडिया केंद्रों और अकादमियों के माध्यम से खेल अवसरचना के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है। तथापि, शिविर ने कुछ ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जिन पर ध्यान केंद्रित कर देश के सुदूर क्षेत्रों तक खेल अवसरचना की उपलब्धता को और सुदृढ़ किया जा सकता है। प्रमुख प्रस्तावों में मौजूदा अवसरचना का साझा उपयोग मॉडल के माध्यम से उसे अनुकूलित करना, क्षेत्रीय उच्च प्रदर्शन केंद्रों का विकास करना तथा विश्व स्तरीय सुविधाओं के लिए सार्वजनिक-निजी सहभागिता को प्रोत्साहित करना शामिल हैं। इस संदर्भ में जहां राज्य स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, वहीं केंद्र वित्तीय ढांचा, तकनीकी विशेषज्ञता और वैश्विक मानकों के अनुरूप मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी केवल स्टेडियम निर्माण तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह एक खेल-सक्षम राष्ट्र के निर्माण के बारे में भी है।

चिंतन शिविर में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि तैयारी के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शहर-स्तरीय अवसरचना, प्रभावी लॉजिस्टिक्स, सुशासन और खिलाड़ियों के लिए सेवाएं तथा एक सुदृढ़ घरेलू प्रतियोगिता कैलेंडर की आवश्यकता है। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए, राज्यों और केंद्र सरकार की साझा जिम्मेदारियां-न केवल नीति-निर्माण के स्तर पर हैं, बल्कि उसके क्रियान्वयन के चरण में भी-एक प्रमुख विशेषता के रूप में उभरकर सामने आई। केंद्र और राज्यों के बीच दायित्वों के वितरण से भारत देशभर में अनेक “आयोजन-तत्पर स्मूथ” बना सकता है, जिससे एक ही मेजबान शहर पर दबाव कम पड़ेगा और विरासत लाभ सुनिश्चित होगा। चिंतन शिविर केवल एक सम्मेलन ही नहीं, बल्कि एक परिवर्तन उल्टेरक भी है। यह इन विचारों को प्रभावी रूप से लागू किया जाता है, तो यह शिविर भारत के खेल प्रक्षेप पथ को पुनर्परिभाषित कर सकता है- जिससे राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी और वर्ष 2036 तक ओलंपिक में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने का सपना न केवल आकांक्षात्मक होगा, बल्कि साध्य बन सकेगा।

(लेखक केंद्रीय युवा मन्त्रालय के खेल मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आजी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।



60 की उम्र में किसी पर निर्भर होना नर्क से भी बदतर : माधवन

नई दिल्ली। आर माधवन ने बढ़ती उम्र, जीवन की प्लानिंग और तेजी से बदलती दुनिया में रिलेवेंट बने रहने की चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की है। आपके जीवन के पहले 30 साल प्लान्ड होते हैं। अगले 30 साल करियर और परिवार बनाने के बारे में होते हैं। लेकिन, 60 साल की उम्र में एक ठहराव आ जाता है। अगले 30 साल का कोई

भविष्य तय नहीं होता। कोई योजना नहीं होती। जब उनसे उनके सबसे बड़े डर के बारे में पूछा गया, तो एक्टर ने खुलकर जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया, 'मेरा सबसे बड़ा डर किसी पर निर्भर होना है, शारीरिक या आर्थिक रूप से। यह मेरे लिए नरक से भी बदतर है। उन्होंने बुढ़ापे में गरिमा और योगदान के महत्व के बारे में भी बात की।'

लाइफ Style

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया साल 2026 में अपने पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल डेब्यू के लिए तैयार हैं। खबरें हैं कि वो ग्लोबल मंच पर भारत को रिप्रेजेंट करती नजर आएंगी। तारा सुतारिया इन दिनों अपनी फिल्म 'टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं।

तारा

कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को करेगी रिप्रेजेंट

एजेसी ►► नई दिल्ली

अब उन्हें लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। तारा सुतारिया 2026 में 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म टॉक्सिक से पहले तारा 2026 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को रिप्रेजेंट करतीं नजर आने वाली हैं। अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच तारा सुतारिया अपने करियर के एक नए और बड़े दौर में कदम रखने के लिए तैयार नजर आ रही हैं, जो सिर्फ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस 2026 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रही हैं, जो उनके ग्लोबल सफर का बड़ा पड़ाव माना जा रहा है। टॉक्सिक से पहले तारा सुतारिया कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में डेब्यू करेंगी और ग्लोबल मंच पर भारत को रिप्रेजेंट करेंगी। टॉक्सिक पहले ही चर्चा में है, और यह डेब्यू उनके करियर के एक बड़े इंटरनेशनल दौर की शुरुआत माना जा रहा है। कान्स डेब्यू को लंबे समय से उन कलाकारों के लिए एक बड़े पड़ाव के तौर पर देखा जाता है, जो इंटरनेशनल पहचान बनाना चाहते हैं, और तारा सुतारिया के लिए यह मौका ऐसे समय पर आया है जब उनके काम के चुनाव लगातार लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।



हॉलीवुड मसाला

फ्री कॉन्सर्ट में लाखों लोग हुए शामिल

लॉस एंजिल्स। वाका वाका फेम इंटरनेशनल सिंगर शर्कीरा के एक फ्री कॉन्सर्ट में फैस का मेला लगा गया। अनुमान है कि लगभग 20 लाख लोग इस शो में शामिल हुए। सोशल मीडिया पर शर्कीरा के शो का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। लैटिना पॉप सिंगर शर्कीरा ने शनिवार रात यानी 2 मई को बाजील के रियो डी जेनेरियो में कोपाकबाना बीच पर एक फ्री कॉन्सर्ट किया। फैस शर्कीरा के गानों पर थिरकते नजर आए। शर्कीरा का यह फ्री कॉन्सर्ट रियो डी जेनेरियो के सिटी हॉल की एक पहल का हिस्सा है।



लॉस एंजिल्स में हुई सिटाडेल 2 की स्क्रीनिंग

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स में 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग में प्रियंका चोपड़ा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने ब्लैक रंग की खूबसूरत कढ़ाई वाली ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनी थी। प्रियंका हमेशा की तरह इस बार भी रेड कार्पेट पर बोलड और एलिगेंट नजर आईं। 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग लॉस एंजिल्स के एजीबीओ स्टूडियो में हुई। प्रियंका के साथ फिल्म के सह-कलाकार स्टैनली टुची और एशले कर्मिंस भी मौजूद थे। स्क्रीनिंग के बाद एक सवाल-जवाब भी रखा गया, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा प्रियंका की ड्रेस की रही। 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान प्रियंका ने ब्लैक ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनी। इसमें फुल स्लीव्स और हाई नेकलाइन थी। ऊपरी हिस्सा बॉडी-फिट ड्रेस के साथ रहा, जबकि ड्रेस का नीचे हिस्सा ट्रांसपेरेंट और चमकदार लेस वाली स्कर्ट जैसा है।



इंटीमेट सीन कम करने की मांग

मुंबई। कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर एक नई खबर सामने आई है। स्क्रीन पर फिल्म देखने के बाद कियारा ने मेकर्स से कुछ इंटीमेट सीन कम करने या काट देने की मांग की है। यश और कियारा आडवाणी स्टारर 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रीन अप्स' इन दिनों फिर चर्चा में आ गई है। हाल ही में फिल्म से जुड़ा एक नया विवाद सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। बताया जा रहा है कि फिल्म के ट्रेलर और बोलड सीन्स को देखने के बाद कियारा आडवाणी ने इंटीमेट सीन को कम करने की मांग की है। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब फिल्म में बोलड सीन्स शूट किए गए थं, तब कियारा को भरोसे के साथ कहा गया था कि इसकी शूटिंग उनके कंपर्ट के हिसाब से ही होगी।



टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाओ नहीं

मुंबई। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच रविवार को सलमान ने अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर कर फैस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने अपने फैस को एक खास सलाह भी दी है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने काम को लेकर सलाह दी है। सलमान ने कैप्शन में लिखा, 'यह किसी भी फ्रीलड के लिए है। पहले सोच लो, समझ लो, स्पष्ट हो जाओ, फैसला कर लो और सब कुछ भूलकर आगे बढ़ो।' सलमान ने आगे लिखा, 'टोपी से याद आया-टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाना नहीं और न किसी को पहनने दो।' सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को शेयर किया है।

टीवी मसाला



डर का नया दौर... खतरों से खेलने आ रहे हैं 12 खिलाड़ी

नई दिल्ली। स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी सबसे पसंदीदा रियलिटी शो में से एक है। पिछले साल किसी कारण से 15वां सीजन नहीं आ पाया था लेकिन अब आखिरकार नया सीजन नए टिवरस्ट एंड टर्न के साथ लौटकर आ रहा है। इस बार खतरा पहले से भी ज्यादा खतरनाक होने वाला है। काफी दिनों से खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 को लेकर चर्चा हो रही थी। यहां तक कि कुछ कंटेस्टेंट्स हिट्स के जरिए फैस की एक्साइटमेंट बढ़ा रहे थे। अब आखिरकार शो की ऑफिशियल कंटेस्टेंट्स लिस्ट सामने आ गई है, साथ ही शो की पहली झलक भी रीवील कर दी गई है। रविवार को खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है, साथ ही सभी खिलाड़ियों के नाम भी जारी कर दिए गए हैं। इस बार शो की टैगलाइन 'डर का नया दौर' रखी गई है। इस बार शो में बिग बॉस सीजन 19 के दो धुरंधर होंगे, जिनका शो में खट्टा-मीठा बॉन्ड रहा और वह फरहाना भूट और गौरव खन्ना हैं। फरहाना और गौरव के अलावा खतरों के खिलाड़ी शो में टीवी जगत के कई बड़े धुरंधर खतरों से खेलते हुए नजर आएंगे जिसमें करण वाही, ऋतिक धनजानी, विशाल सिंह, अविनाश तिवारी, सोशल मीडिया स्टार ओरी, जेस्मिन असीन, हर्ष गुजराल, अदिका मोर, शगुन शर्मा और रुबीना दिलैक हैं। सभी कंटेस्टेंट्स के बाफिक वीडियो शेयर किया गया है। खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 कब शुरू होगा और इसकी शूटिंग कहां होगी, अभी तक इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

बैटलग्राउंड 2 बना जंग का अखाड़ा

नई दिल्ली। हाल ही में मेटर के तौर पर रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' में एक्ट्रेस निक्की तंबोली की एंट्री हुई। इस शो में पहले से ही मेटर के तौर पर भोजपुरी स्टार खेसारी लाल एक टीम का सपोर्ट कर रहे हैं। रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' के अपकमिंग एपिसोड में खेसारी और निक्की तंबोली आपस में मित्र हों। शो 'बैटलग्राउंड 2' के हालिया रिलीज प्रोमो में खेसारी लाल यादव निक्की तंबोली और उनकी टीम पर नज़र में बेइमानी करने का आरोप लगाते दिखे। वह बोले- 'बड़े गिरे हुए लोग हैं।' वह आगे कहते हैं, 'पूरी दुनिया देख रही है, आपका कारनामा।' लेकिन निक्की कहती हैं कि गेम के लिए एक साथ होकर खेलना जरूरी है। खेसारी लाल यादव के अलावा 'बैटलग्राउंड 2' के अन्य मेटर अभिनेक मल्हान उर्फ फुकरा इसान ने भी निक्की तंबोली को खरी-खोटी सुनाई। इससे पहले भी निक्की और अभिषेक के बीच झगड़ा हो चुका है, जिसमें निक्की ने अभिषेक को खूब उल्टा-सीधा कहा था। बैटलग्राउंड 2 एक इंडियन फिटनेस रियलिटी शो है।

एआई से बनी फिल्मों को बड़ा झटका!

ऑस्कर के नियमों में हुए बदलाव; बढ़ाई गई फिल्म की ये कैटेगरी

नई दिल्ली। अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने ऑस्कर के लिए कई बड़े नियमों में बदलाव का ऐलान किया है। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर ब्लैरिटी आई है। ऑस्कर ने खास कैटेगरी में कई बदलाव किए हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर के मुताबिक, अपनी नई घोषणा में, अकादमी ने कहा है कि एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई फिल्में अवॉर्ड के योग्य नहीं होंगी। सिर्फ इंसानी अवकाशी वाली फिल्में ही क्वालिफाई होंगी। यह कदम फिल्मों में एआई के इस्तेमाल को लेकर बढ़ते सवालों के बाद उठाया गया है। अकादमी ने यह भी कहा कि राइटिंग कैटेगरी के लिए सिर्फ इंसानों की तरफ से लिखे गए स्क्रीनप्ले पर ही विचार किया जाएगा। उसने यह भी कहा कि वह फिल्ममेकर्स से इस बारे में

और जानकारी मांग सकती है कि उनके प्रोजेक्ट में एआई का इस्तेमाल कैसे किया गया है। इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में अहम बदलाव हुए हैं। पहले, हर देश विचार के लिए सिर्फ एक फिल्म भेज सकता था। अब, फिल्में कान्स, बर्लिन, सनडॉस, टोरंटो, वेनिस और बुसान जैसे बड़े ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल में टॉप अवॉर्ड जीतकर भी क्वालिफाई कर सकती हैं। इसका मतलब है कि एक ही देश की एक से ज्यादा फिल्मों को रस में शामिल होने का मौका मिलेगा। एक और बड़ा बदलाव यह है कि इस कैटेगरी में अवॉर्ड अब देश के बजाय फिल्म के डायरेक्टर को मिलेगा। एक्टिंग कैटेगरी में एक बड़ा बदलाव यह है कि एक्टर अब एक ही कैटेगरी में अलग-अलग परफॉर्मेंस के लिए कई नॉमिनेशन पा सकते हैं। पहले, एक एक्टर की सिर्फ एक परफॉर्मेंस को नॉमिनेट किया जा सकता था।



लता ने हॉरर थ्रिलर के लिए गाया था कल्ट गाना, भूतनी को दी थी आवाज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की मशहूर गायिका के तौर पर लता मंगेशकर को जाना जाता था। बेशक आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा गाए गए एक से बढ़कर एक गीत हर कोई सुनना पसंद करता है। इस बीच हम आपको लता दीदी के एक 64 साल पुराने एक ऐसे सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जो उन्होंने एक हॉरर थ्रिलर फिल्म के लिए गाया था। सुरो की कोकिला का ये गीत आज भी कल्ट माना जाता है। साल 1962 में हिंदी सिनेमा की एक चर्चित हॉरर थ्रिलर फिल्म को रिलीज किया



गया था। फिल्म का नाम बीस साल बाद था, जिसमें एक्टर विश्वजीत चटर्जी और अभिनेत्री वहीदा रहमान ने मुख्य भूमिकाओं को अदा किया। इस मूवी की कहानी के साथ-साथ गाने भी काफी चर्चित रहे। जिनमें से एक गाना लता मंगेशकर ने गाया था, जिसके बोल थे- कहीं दीप जले कहीं दिल...।

हेमंत ने संगीत की धुनों को पियेया था

इस गाने को बीस साल बाद में भूतनी पर फिल्माया गया था। बेशक ये एक डरावना गाना था, लेकिन लता मंगेशकर ने अपनी मधुर आवाज में जिस तरह से इस गाने को गाया, वह वाकई काफी शानदार रहा। गौर किया जाए इस गीत की मेंकिंग की तरफ तो लता के अलावा संगीतकार हेमंत कुमार ने इसमें अपनी संगीत की धुनों को पियेया था, जबकि गीतकार शकील बादयूनी ने इसके लिरिक्स लिखे थे। इस तरह से बीस साल बाद कहीं दीप जले कहीं दिल... बनकर तैयार हुआ था। रिलीज के 64 साल बाद भी लता दीदी के आवाज में गाया हुआ ये सॉन कालजयी बना हुआ है, जिसे श्रोता आज भी सुनना पसंद करते हैं।

कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में किया है काम

20 साल से बॉलीवुड से लापता है ये स्टार, अब तक नहीं मिला कोई सुराग

कर्ज और अर्थ फिल्मों से मिली पहचान

राज किरण, जिन्हें मुख्य रूप से कर्ज और 'अर्थ' जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाना जाता है, ने 1970 के दशक के आखिर और 1980 के दशक के दौरान हिंदी सिनेमा में अपनी एक मजबूत जगह बनाई। उन्होंने 1975 में फिल्म कागज की नाव से अपने करियर की शुरुआत की और जल्द ही किरसा कुर्सी का में नजर आए; यह एक राजनीतिक व्यंग्य फिल्म थी, जिसे आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित कर दिया गया था।

जिंदगी में आया मुश्किल मोड़

1980 के दशक में, राज कई फिल्मों में नजर आए और धीरे-धीरे एक मरोसेमंद एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। लेकिन, 1990 के दशक की शुरुआत तक, उनके करियर में बदलाव आने लगा और उन्हें ज्यादातर सहायक भूमिकाएं मिलने लगीं। 1990 के दशक के मध्य के आस-पास, उन्होंने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली, और इसी दौर में उनकी जिंदगी में एक मुश्किल मोड़ आया।

नई दिल्ली। बॉलीवुड पर जितनी कहानियां पढ़ें पर दिखती हैं उससे ज्यादा दिलचस्प कहानियां पढ़ें के पीछे की होती हैं। आज हम एक ऐसे एक्टर के बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया और भारतीय सिनेमा का जाना पहचाना चेहरा बने। लेकिन, एक दिन वे सबकुछ खोकर चले गए और 20 सालों से ज्यादा होने के बाद आज भी उनका कोई पता नहीं है। एक समय था जब उनका चेहरा पूरे भारत



के घरों में जाना-पहचाना लगता था; वे ऐसे अभिनेता थे जिन पर शायद आप तुरंत ध्यान नहीं देते थे, लेकिन फिल्म खत्म होने के काफी समय बाद भी वे आपको किसी न किसी तरह याद रह जाते थे। हम बात कर रहे हैं राज किरण की, जिनकी कहानी एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में लोगों के जहन में बसी हुई है... उनकी अदकारी की वजह से नहीं, बल्कि एक ऐसे रहस्य की वजह से जो पिछले दो दशकों से भी ज्यादा समय से अनुसूझा है।

जब आश्रम में घुसने की कोशिश में हुई जेल

1996 में, एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल में रखा गया था; बताया जाता है कि घुटपंथी साई बाबा आश्रम में बिना इजाजत घुसने की कोशिश करने के बाद उन्होंने वहां लगभग एक महीना बिताया था। डेक्कन हेराल्ड के अनुसार, उन्होंने रात के समय आश्रम परिसर में घुसने की कोशिश में एक ट्रैक्टर और एक सीढ़ी का इंतजाम किया था। बाद में, उनके पिता ने जमानत दिलवाकर उन्हें जेल से बाहर निकलवाया। इसके कुछ ही समय बाद, उन्हें वापस उनके मुंबई वाले घर पर देखा गया, और ऐसी खबरें थी कि उन्होंने अपने भाई गोविंद के साथ कुछ समय अमेरिका में बिताया था और वापस लौटने की योजना बना रहे थे। हालांकि, इस दौरान उनसे मिलने वाले लोगों के बयानों से पता चलता है कि शायद वे कुछ निजी मुश्किलों से गुजर रहे थे। ये बातें परिवार के सदस्यों और फिल्ममेकर महेश भट्ट के बयानों पर आधारित हैं।

महेश ने बताई थी उनकी मानसिक स्थिति

महेश भट्ट ने मुंबई के एक मेंटल हेल्थ सेंटर में राज से हुई अपनी मुलाकात की यादें साझा की थीं। उन्होंने बताया था कि ' कई साल पहले, जब वे मसीना अस्पताल के साइकियाट्रिक वार्ड में थे। वे उस राज किरण जैसे बिल्कुल नहीं थे जिससे मैं पहले मिला था। वे एक उदास और डिप्रेस्ड इंसान लग रहे थे, और उन्होंने बड़ी मुश्किल से मुझसे बात की। अभिनेत्री दीप्ति नवल, जिन्होंने उनके साथ 'हिप हिप हुर्रे' में काम किया था, ने भी 2011 में एक सार्वजनिक अपील की थी। उन्होंने लोगों से राज को दृढ़ता से मदद करने का आग्रह किया था, क्योंकि उन्हें पता चला था कि शायद वह न्यूयॉर्क में टैक्सी चला रहे थे।

आसमान में बढ़ेगी इंडियन एयरफोर्स की ताकत, रूस से मिलेंगी लंबी दूरी की मिसाइलें

एजेंसी ►► मॉस्को

भारतीय रक्षा मंत्रालय ने रूस के साथ आर-37एम मिसाइलों के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते में भारत को रूस से 300 आर-37एम लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें मिलेंगी, जिनकी कीमत 1.2 अरब डॉलर है। इस खरीद से एसयू-30एमकेआई ‘4+ जेनरेशन’ लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन में बहुत बेहतरी आएगी, जो भारतीय वायु सेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ हैं। इससे इंडियन एयरफोर्स को खासतौर से चीन-पाकिस्तान जैसे प्रतिद्वंद्वियों पर बहुत हासिल होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लिए आर-37M अब तक निर्यात की गई हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों में सबसे लंबी दूरी की मिसाइल है। रज के मामले में इसका मुकाबला सिर्फ चीनी पीएल-17 और अमेरिकी एमआईएम-174 से है। ये मिसाइलें भारतीय एसयू -30एमकेआई लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता को तीन गुना बढ़ा देंगी।

जैकेट के शेष

आईपीएल का रोमांच, 5

टिकट के लिए लोग रविवार सुबह से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की वेबसाइट पर अपडेट सर्व कर रहे थे। दोहरा को जैसे ही बुकिंग का पॉर्टल खुला, कुछ ही मिनटों में 10 अलग-अलग स्टैडियम के टिकट नेजी से बिकने लगे। आलम यह था कि महज 5 मिनट के भीतर ही 80 प्रतिशत सीटें बुक हो चुकी थीं। 10 अलग-अलग स्टैडियम में बांटा गया : मैनेजमेंट ने दर्शकों की सुविधा और टिकटों की कैटेगरी के अनुसार पूरे स्टैडियम को 10 अलग-अलग स्टैडियम में बांटा है। रविवार को खुले पहले फेज में सबसे महंगा टिकट 8 हजार रुपये का रहा, जो नथिंग एक्सेस बी स्टैंड के लिए थे। इसके अलावा 'जियो लीवर स्टैंड' का टिकट 5500 रुपये में बेचा गया। वहीं, स्पॉन्सर 'खन फार्मा' के नाम से भी दो स्टैंड बनाए गए हैं, जहां की सीटों की कीमत 3500 रुपये तय की गई थी। सूचना थी कि सबसे सस्ता टिकट 2 हजार की मिलेगा, लेकिन शुरुआत 3000 रुपए से हुई।

गंडई मोड़ पर पुल

(19 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं जुनेद रजा (21 वर्ष) और आरजु खान (19 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें प्रार्थमिक उपचार के बाद उच्च स्तरीय अस्पताल रेफर करने गये हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हदसा इन्फार्मा भयावह था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस और बचाव दल ने राहत कार्य शुरू किया। लेशरा और नंदी का बहाव तेज होने के कारण रेस्च्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बंगाल में दीदी

पहले नॉर्थ 24 परगना जिले में बीजेपी नेता के घर के बाहर फायरिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस घटना में शामिल होने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, बीजेपी नेता कुंझन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि शनिवार देर रात नोआपारा विधानसभा क्षेत्र में उनके घर के बाहर कुछ लोगों ने गोली चलाई। इस घटना से इलाके में हड़शा फैल गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। हालांकि एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि गिरफ्तार किए गए लोग वहीं हैं या नहीं, जिनका नाम बीजेपी नेता अजुन्त सिंह ने लिया था।

शराब घोटाले में पड़ताल

घोटाले में अब तक 380 करोड़ रुपए की संपति अटैच की जा चुकी है। 30 अप्रैल को दुर्ग-मिलाड़, बिलासपुर के साथ रायपुर में छापे मारे गए थे। जिन लोगों के यहां छापे की कार्रवाई की गई थी उनमें अमर झूफा के संचालक और भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के निवास-दफ्तर, मिलाड़ में गोविंद मंडल के घर फैक्ट्री के साथ बिलासपुर में सरफाा कारोबारी विवेक अख्वाल के घर और सदर बाजार स्थित श्री राम ज्वैलर्स के ठिकाने शामिल हैं। इसके साथ ही रायपुर कचना स्थित एक सीए के घर इंडी ने रेड कार्रवाई की थी।

बाइक को मारी टक्कर....

घटनास्थल पर ही दम्पती की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को दोहर 1 बजे ग्राम ठरणी निवासी लल्लू चंद चेरवा आ लालमणी चेरवा (24वर्ष) अपनी पत्नी अंजुलता चेरवा को लेकर बाइक क्रमांक सीजी 29 ई9 8866 से ओड़गी की ओर जा रहा था जबकि एकाग्र्य विद्यार्थी के छात्रावास निमाण में लगा जेसीबी चालक वाहन में ओड़गी से डीजल भरवाकर लौट रहा था। ओड़गी-खर्रा मार्ग पर चालक मोबाइल से बात करते हुए तेज रफ्तार में जेसीबी चला रहा था। थिपरीत दिशा से जैसे ही बाइक सवार दम्पति घटिया पर पहुंचे चालक ने लापरवाही पूर्व टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दम्पती दूर जा गिरे तथा गंभीर चोट लगने के कारण घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक नाबालिग था तथा लापरवाहीपूर्वक मोबाइल पर बात करते हुए जेसीबी को तेज रफ्तार से चला रहा था। घटना के बाद चालक जेसीबी छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बालिगता के हथौथे जेसीबी सौंपने को लेकर ठेकेदार के विरुद्ध जमकर नाराजगी जताते तथा पुलिस से मामले की सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बताया जा रहा है कि लल्लुचंद एवं अंजुलता का विवाह एकदक वर्ष पूर्व हुआ था तथा अंजुलता गर्भवती थी। ग्रामीणों के अनुसार लल्लुचंद अपनी पत्नी अंजुलता का स्वास्थ्य परीक्षण करने उसे चिकित्सक के पास ले जा रहा था। जेसीबी के नाबालिग चालक की लापरवाही से पूरा परिवार ही जउद गया।

पुलिस ने जह्त किया जेसीबी : ग्रामीणों के चक्काजाम एवं उग्र प्रदर्शन के बाद पुलिस ने घटनास्थल से दुर्घटनाकारिने जेसीबी को जब्त किया है। पुलिस फरार जेसीबी चालक के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि किसके कड़ने

राशिफल

	शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अत्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।
मेघ	
	व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
वृष	
	अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।
मिथुन	
	आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं असंतोह के भाव रहेंगे।
कर्क	
	शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

	क्रोध एवं आवेश के अतिरिक्त से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के वचिदों से बचने का प्रयास करें।
कन्या	
	पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।
तुला	
	घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।
वृश्चिक	
	पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
धनु	
	परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।
मकर	
	परिवार की समस्याएँ परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।
कुंभ	
	वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

	रूस से अरबों डॉलर की डील
	चीन और पाकिस्तान का मुकाबला करने में भारत को मिलेगी मदद
	भारत-रूस में सैन्य सहयोग

पर चालक यातायात निर्द्देशों की अवहेलना करने हुए जेसीबी को लेकर गया था। ग्रामीणों का कहना है चालक दूसरे राज्‍य का निवासी है तथा अपने परिवार के सदस्यों के साथ छात्रावास निमाण में काम कर रहा था।

ग्रामीणों ने किया

नाबालिग चालक एवं उसके नियोक्ता जेसीबी स्वामी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने एवं मुक्त परिवार को पर्याप्त मुआवजा दिलाने की मांग की। पुलिस अधिकारियों द्वारा आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के आश्वासन पर प्रदर्शनकारियों ने चक्काजाम समाप्त किया।

सीएम पहुंचे चंदागढ़

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 3 करोड़ लखपति दीदी बन गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 13 दिसंबर 2023 को पहले ही दिन केनिएट की बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। तैदंपता तोड़ने का कार्य शुरू हुआ है कि नहीं इसकी भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि चरण पादुका योजना भी शुरू किया गया है। हमारी सरकार ने श्री रामलला दर्शन योजना की भी शुरुआत की है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की भी शुरुआत की गई जहां बुजुर्गों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया है। जहां पंचायत मंजन में आय जाति निवास प्रमाण पत्र हर प्रकार का प्रमाण पत्र मिलेगा। आनलाईन पैसा भी निकाल सकते। सारी व्यवस्था जनता की सुविधा के लिए की जा रही है। इस अवसर पर विधायक पथलगांव गोमती साय प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमैद सिंह वनमंडलाधिकारी शंशि कुमार और ग्रामवासी उपस्थित थे। लखपति दीदी सुमिला की दुकान पहुंचे साय : ग्राम चंदागढ़ में एक मावुक दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आननक गांव की एक छोटी-सी किराना दुकान पर पहुंच गए। यह दुकान ‘लखपति दीदी’ सुमिला कोरवा द्वारा संचालित है, जिन्होंने अपनी मेहनत और संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री श्री साय का हेलीकॉप्टर गांव में उतरते ही वे सीधे हेलीपेड के पास स्थित सुमिला की दुकान पर पहुंचे। मुख्यमंत्री को सामने देखकर सुमिला कोरवा भावुक हो उठीं और उन्होंने परंपरागत अंदाज में लौंग-झलायची खिलाकर उनका स्वागत किया। नन्हीं मानविका को गोद में उठायी : मुख्यमंत्री श्री साय ने 4 वर्षीय नन्हीं बच्ची मानविका चौहान से मुलाक़ात के दौरान महजकरी ने न केवल उसे खेले से गोद में उठायी, बल्कि उसे अपनेपन से चरमा पहनकर उसका हौसला भी बढ़ाया। मानविका अपनी लंबी दीपांजलि चौहान के साथ मुख्यमंत्री को देखने के लिए उत्साहित होकर पहुंची थीं। सरकारमक बदलाव का संकल्प : विष्णुदेव : अधिकारपू। प्रदेश में चल रहे सुशासन तिहार के तहत ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने लगाए जा रहे

पेन एफ के शेष

15 गांवों में फ्लोराइड से ...

गाए हैं। यहां एक स्कूल में 50 बच्चों में से 35 के दांत खराब मिले। जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के 15 गांव ऐसे हैं जिनके निवासियों को प्यास बुझाने फ्लोराइड युक्त पानी पीना पड़ रहा है। तकरीबन 10 फीसदी आबादी इस दूषित पानी के पीने से प्रभावित है। कोई उपाय नहीं होने से भावी पीढ़ी पर भी खतरा मंडरने लगा है। विभाग के द्वारा लगाए गए रिमूवल प्लांट भी अब जवाब दे चुके हैं। स्थिति यह है कि दूर दूरजग से पानी लाने की मजबूरी हो गई है। फ्लोराइड प्रदूषित पानी पीने से दूरस्थ गांवचल गांव की पुरानी पीढ़ी तो शारीरिक विकलांगता का शिकार हो चुकी है और अब भावी पीढ़ी भी इसकी चपेट में आने लगी है। प्रशासनिक उपसीनता और फ्लोराइडयुक्त पानी से बचाव के लिए स्थायी उपाय नहीं होने की वजह से अभी भी पहुंच विहीन क्षेत्रों के ग्रामीण प्रदूषित पानी ही पी रहे हैं। विभाग के द्वारा महज पांच गांव में पांच फ्लोराइड रिमूवल प्लांट लगाने की बात कही जा रही है, जबकि प्रभावित गांव की संख्या 15 है जिनकी पांच हजार की आबादी में 10 फीसदी से अधिक लोग इससे आंशिक और पूरू रूप से प्रभावित बताए जा रहे हैं। जिले का सबसे बड़ा ब्लॉक होने के साथ पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक को केंद्र सरकार की आकांक्षी ब्लॉक में भी शामिल किया गया है। उसके बावजूद इस ब्लॉक के 15 गांव के ग्रामीण प्रदूषित पानी पीने को मजबूर हैं। विभागीय अधिकारियों को मानें तो ऐसे हैडपंप बंद करा दिए गए हैं जिनसे फ्लोराइड युक्त पानी निकल रहा था। पीएचई विभाग के अनुसार पानी में फ्लोराइड की मात्रा 1.5 सीपीएम से अधिक होने पर उवत पानी को फ्लोराई प्रदूषित माना जाता है। ऐसे हैडपंप और बोर जिससे इस तरह का पानी निकल रहा है उन्हें बंद कराने का काम किया गया है। प्रभावित ग्रामों में आर्माटिकरा, फूलझर, कोरबी, मातीन, अमहवा, केशलपुर, पंडरीपानी, कीआताल, बिझरा आदि गांव प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन सभी गांव की आबादी 5 हजार लगभग बतायी जा रही है और इनमें 10 प्रतिशत की आबादी फ्लोराइड पानी से पीड़ित है और अधिकांश ग्रामीण 50 साल के उम्र तक पहुंचते पहुंचते विकलांगता का शिकार हो चुके हैं। स्थिति यह है कि ग्रामीण लाठी के सहारे चल रहे हैं या झुककर चल रहे हैं।

कुएं का पानी रहता है सहरा...

ध्यान देते हैं। यदि फ्लोराइड से प्रभावित गांवों में कुंआ निर्माण काराकर ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराया जाए तो बहुत हद तक बीमारी के प्रभाव को रोक जा सकता है।

ना ग्रामीणों को पता और ना...

पहुंचकर इसकी जानकारी ली तो शिक्षकों और ग्रामीणों ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। कि वह फ्लोराइडयुक्त पानी पी रहे हैं। जबकि प्राथमिक शाला में दर्ज 50 बच्चों में 35 बच्चे ऐसे हैं जिनके दांत खराब हैं। ऐसी ही स्थिति अन्य प्रभावित गांवों के स्कूलों की भी है।

1	2	3	4	5	6	7
			8		9	
10		11				
12		13		14		15
					16	
			17		18	
19	20	21		22	23	24
				25		
26			27		28	
		29		30		
31	32	33			34	
35					36	

शब्दपहेली- 62 15

रूस और भारत दशकों पुराने रक्षा सहयोगी



शिविर में रविवार को आननक ही प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय शामिल हुए। सीएम श्री साय का उड़न खटोला आननक ही बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा अंतर्गत शतिपारा में उतरा। इस दौरान सीएम ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। इस दौरान सीएम श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार शासन की कार्यप्रणाली में बेहतर और सकारात्मक बदलाव का संकल्प है। बताया कि 40 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से अब प्रशासन स्वयं जनता के द्वार तक पहुंचेगा और उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करेगा। सीएम ने कहा कि पहले नागरिकों को अपने कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनेगा और उनका निराकरण करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जब चौपाल में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

ईंट जोड़कर किया

संवेदनशील और प्रेरणादायक पहल करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वयं करणी तथा सीमेंट गारा से ईंट जोड़कर निर्माण कार्य में भागीदारी निभाई। मुख्यमंत्री ने स्वयं ईंट जोड़कर श्रमदान कर लोगों को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री की इस सहज और आत्मीय पहल से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल बन गया। हितवाही अनुसुद्धा पैकरा ने भावुक होकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका वर्षों पुराना सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें पक्का घर मिल रहा है, जिससे उनका जीवन सुरक्षित और बेहतर बनेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चंदागढ़ के राजभिरात्री श्री सुक मोहन चक्रेषे से भी बातचीत की। उन्होंने उनके रोजगार, दैनिक मजदूरी और परिवार की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए शासन की योजनाओं का लाभ लेने की सलाह दी।

कर्मठ छतीसगढ़: श्रम

राष्ट्रीय औसत से काफी आगे है छत्तीसगढ़ : जहाँ पूरे भारत की औसत श्रम सहभागिता दर 44.9 प्रतिशत दर्ज की गई है, वहीं छत्तीसगढ़ 55.3 प्रतिशत के साथ राष्ट्रीय औसत से लगभग 10 प्रतिशत से भी अधिक आगे है। इस सूची में छत्तीसगढ़ से ऊपर केवल सिक्किम (61.4 प्रतिशत) और हिमाचल प्रदेश (58.7 प्रतिशत) ही हैं। बड़े राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ ने गुजरात (50.6 प्रतिशत), तमिलनाडु (50.2 प्रतिशत) और महाराष्ट्र (47.4 प्रतिशत) जैसे औद्योगिक राज्यों की भी पीछे छोड़ दिया है। गाँवों की महिलाएं श्रम शक्ति का नया प्रतीक : छत्तीसगढ़ की इस सफलता के पीछे यहाँ के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। ग्रामीण श्रम दर की बात करें तो छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में कुल सहभागिता 58.प्रतिशत है। महिलाओं की भागीदारी- ग्रामीण छत्तीसगढ़ में महिलाओं की श्रम भागीदारी 51.प्रतिशत है, जो देश के गिने-चुने राज्यों में सबसे अधिक है। जबकि राज्य के ग्रामीण पुरुषों की सहभागिता दर 64.6% दर्ज की गई है।

शहर पहुंचा मालू मच...

गया था। धमतीर शहर गंगरेल क्षेत्र के जंगल से लगा हुआ है। गंगरेल से रून्ही होते हुए कभी-कभी जंगली जानवर शहर की ओर आ जाते हैं। पिछले साल एक जंगली हाथी के शहर पहुंचने से भयावह स्थिति बन गई थी। मालू को सुबह गौरी नगर की गली में कलेक्टोरेट के पास मौलाना चौक करने वालों ने देखा। देखते ही देखते यह खबर आग की तरह फैल गई। वन विभाग को सूचना मिलते ही डीएफओ, सीएसपी, एसडीओ सहित अधिकारी- कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। रायपुर की ट्रेंकुलाइजर टीम को बुलाया गया।

मादा मालू की उम्र 7 वर्ष की...

मालू को पुनः जंगल में छोड़ा गया।

घर में घुसकर अकेली महिला...

कर रही है। बताया जा रहा है कि कौतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम सरनापारा निवासी पैट्रूस कुजूर रिटायर्ड कॉलेजकर्मि हैं। वे गाड़ी के काम से अंबिकापुर गए हुए थे जबकि घर में उनकी पत्नी ललिता कुजूर अकेली थीं। इस दौरान कार बुकिंग के बहाने कुछ बदमाश घर आए और महिला को अकेली पाकर उसपर हमला कर दिया। आरोपियों ने महिला के हाथ पैर बांधकर उसका अपहरण कर लिया। इधर अंबिकापुर से घर लौटे पैट्रूस कुजूर ने पत्नी को घर में नहीं पाकर खोजबीन शुरू की। इसी बीच उनके मोबाइल फोन पर अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि तुम्हारी पत्नी का अपहरण हो गया है और 22 लाख रूपए दो वरना पत्नी वापस नहीं आएगी। अपहरण और फिरोती की बात सुनते ही पैट्रूस कुजूर को होश उड़ गया। उसने इस घटना की जानकारी अपने परिजन व परिवार के सदस्यों को दी। इसके साथ ही मामले को सूचना पुलिस को दी गई। महिला का अपहरण और फिरोती मांगने की घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम हरकत में आई और जिलेभर में नाकेबंदी कर सर्चिंग अभियान चलाया गया। इसे दौरान लगभग 12 घंटे तक आरोपियों ने महिला को बंधक बनाए रखा। पुलिस की बढ़ती दबिश और लगातार हो रही सर्चिंग को देखकर आरोपी घबरा गए और पकड़े जाने के डर से रात के करीब 3 बजे महिला को बाईपास रोड के पास छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले।

चल रही है तलाश : घटना की सूचना मिलने के बाद नाकेबंदी कर महिला और आरोपियों की खोजबीन की जा रही थी। अपहरणकर्ताओं द्वारा 22 लाख रुपए मांगे जाने की बात भी सामने आई है। देर रात 3 बजे अपहरणकर्ता महिला को बाईपास के पास छोड़कर फरार हो गये। महिला का उपचार अस्पताल में चल रहा है। इसके साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया है। और उनकी तलाश जारी है। - अभिषेक पैकरा एसडीओपी सूरजपुर

महिला का चल रहा...

घटना से पुलिस की कार्यशैली और सुरक्षा व्यवस्था संचालों के घेरे में आ गई है। पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रही है लेकिन फिलहाल आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं।

कार्यालय नगर पंचायत दोरनापाल जिला- सुकमा (छ.ग.)			
:: ई प्रोक्यूनेन्ट निविदा सूचना (1st call) ::		दोर्नापाल, दिनांक 30.04.2026	
क्र. /136 /स्थापना / 2026		नगर पंचायत दोरनापाल द्वारा छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था - ई रजिस्ट्रेशन में “डी” एवं ऊपर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर निविदा “अ” में निम्नांकित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :-	
1	NIT No. & Tender No.	-:-	04 system Tender No. 189796 (1st Call)
2	Name of work.	-:-	MUKTIDHAM CONSTRUCTION AND DEVELOPMENT WORK AT Nagar Panchayat Dornapal (FIRST CALL)
3	Probable Amount of Contract (PAC)	-:-	Rs. 48.99 Laacs
4	Amount of Earnest Money.	-:-	Rs. 40000/- (To be pay favour of Cmo Dornapal FDR)
5	Class of Contractor Eligible to	-:-	“D” - and above class (Unified Registration System-E-Registration)
6	Time allowed for completion	-:-	06 Month
7	Tender Participation Fee	-:-	3000.00 (To be pay favour of Cmo Sukma DD)
निविदा ऑनलाइन वेबसाईट [Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in] पर दिनांक 30.04.2026 को संध्या 10:00 बजे से दिनांक 21.05.2025 को सांय 17.30 तक देखे / क्रय एवं निविदा की कार्यवाही किये जा सकते हैं अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा विवरण उपरोक्त वेबसाईट देखी जा सकती है ।			
मुख्य नगर पालिका अधिकारी			
नगर पंचायत दोर्नापाल,			
जिला-सुकमा छ.ग.			

कार्यालय नगर पंचायत बेरला, जिला– बेमेतरा (छ. ग.)

ई.मेल:- cmoberla@rediffmail.com		मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना		बेरला, दिनांक 30/04/2026	
क्रमांक /80/ लो.नि.वि. / न.पं/ 2026		नगर पंचायत बेरला, जिला बेमेतरा (छ.ग.) में 15वें वित्त, विधायक एवं पार्षद निधि अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि- लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड/ पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र - A में प्रचलित एस.ओ.आर. CG PWD Building SOR 2015, CG PWD Road SOR 2025 & CG PWD Electrical SOR 01.06.2020 (निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसार) पर मुरबंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती है :-			
1.	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	-	13.05.2026 (सायं 5 बजे तक)		
2.	निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की अंतिम तिथि	-	18.05.2026 (सायं 5 बजे तक)		
3.	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	-	22.05.2026 (अपरान्ह 3 बजे तक)		
4.	निविदा खोलने की तिथि	-	22.05.2026 (अपरान्ह 4 बजे तक)		
क्रं.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयवाधि
1	2	3	4	5	6
1	वाई क्र. 13 में हाई मास्ट स्थापना कार्य । (विधायक निधि)	5.22	3900/-	750/-	01 माह
2	वाई क्र. 13 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य (पार्षद निधि)	2.50	2500/-	750/-	01 माह
3	वाई क्र. 11 में मेन रोड से सफिन घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य (15वें वित्त)	8.83	6400/-	750/-	03 माह
4	वाई क्र. 11 में मुख्य मार्ग से सफिन घर तक आर.सी.सी. नाली (कन्वर्ट) निर्माण कार्य (15वें वित्त)	1.49	2000	300/-	01 माह
उपरोक्त कार्य को निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापि, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.uanad.cg.gov.in से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं।					
संलग्न :- नियम एवं शर्तें।					

26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4	28.
-----------------------------	-----

खबर संक्षेप

बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में रिलायंस



नई दिल्ली। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का उछाल आया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 249.29 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़ा।

डी-मार्ट का शुद्ध लाभ 19% बढ़कर 656.42 करोड़

नई दिल्ली। खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की माच तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 19.17 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि उसने एक साल पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में 550.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 18.9 % बढ़कर 17,683.86 करोड़ रुपये हो गया।

जिंदल स्टील का लाभ 1,041 करोड़ रुपए पर



नई दिल्ली। जिंदल स्टील का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 1,041 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ‘रिफॉर्ड बिन्नी’ के कारण कंपनी को लाभ हुआ है। स्टील बनाने वाली इस कंपनी को पिछले साल की इसी तिमाही में 304 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। एक बयान के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में, कंपनी की कुल आय 25 प्रतिशत बढ़कर 16,484.28 करोड़ रुपये हो गई।

कैपरी ग्लोबल के लाभ में 59 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 59.1 प्रतिशत बढ़कर 283 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 को मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 178 करोड़ रुपये था। कैपरी ग्लोबल की शुद्ध ब्याज आय मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 596 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 381 करोड़ रुपये थी।

सीआईएल-सैम को मिला जयपुर मेट्रो से ऑर्डर



नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड ने रविवार को कहा कि उसके संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड से डिजाइन और निर्माण कार्यों के लिए 918.04 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। सीआईएल-सैम इंडिया को दिए गए इस अनुबंध में जयपुर मेट्रो के फेज-2 विस्तार के तहत 10.8 किलोमीटर के हिस्से में एक ऊंचे वायडवक्त और दस ऊंचे मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन और निर्माण शामिल है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री तीन प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 6,018 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसके आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और गैर-ऊर्जा वाहन (एनईवी) खंड दोनों में स्थिर गति बनी हुई है। कंपनी ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं। इससे उपभोक्ता भावना पर असर पड़ा जिससे मोटर वाहन बाजार में कुल मांग कुछ नरम रही लेकिन इसके बावजूद थोक बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई।

भारत को लेकर एप्पल बहुत उत्साहित, बड़ी वृद्धि की उम्मीद: कुक

एजेंसी ►► न्यूयॉर्क

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी टिम कुक ने कहा कि वह भारत को लेकर ‘बेहद उत्साहित’ हैं और इसे कंपनी के लिए एक ‘बेहद बड़ा अवसर’ मानते हैं। एप्पल की 2026 की दूसरी तिमाही का आय विवरण देते हुए उन्होंने कहा, हां, यह हमारे लिए बहुत बड़ा अवसर है। हम इस पर काफी समय से ध्यान दे रहे हैं। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार और तीसरा सबसे बड़ा पीसी बाजार है। कुक ने भारतीय बाजार को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने स्वीकार किया कि कंपनी का भारत में प्रदर्शन अच्छा रहने के बावजूद उसकी हिस्सेदारी अभी ‘सीमित’ है। कुक ने भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग और उसकी संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कंपनी के अधिकतर ग्राहक अभी ब्रांड के लिए नए हैं जो विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाता है।

कंपनी के सीईओ कुक ने दूसरी तिमाही का आय विवरण दिया

मैक खंड का राजस्व छह प्रतिशत बढ़ा

कुक ने साथ ही बताया कि आईफोन के लिए अमेरिका, लैटिन अमेरिका, वेटर चीन, पश्चिमी यूरोप, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया सहित अधिकतर बाजारों में दोहरे अंकों की वृद्धि देखी जा रही है। मुख्य वित्तीय अधिकारी केवन पारेख ने बताया कि ‘मैक’ खंड का राजस्व छह प्रतिशत बढ़कर 8.4 अरब डॉलर रहा, जिसे ‘मैकबुक नियो’ जैसे नए उत्पादों की मांग से बल मिला।

टर्नस एक सितंबर से संगमलेंगे सीईओ का पद

कंपनी के मैक और आईपैड दोनों की बिक्री में भारत सहित उमरते बाजारों में मजबूत वृद्धि देखी गई। इस बीच एप्पल ने हाल ही में घोषणा की है कि टिम कुक सीईओ पद से हटकर निदेशक मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष बनेंगे। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जॉन टर्नस एक सितंबर 2026 से एप्पल के सीईओ पद का कार्यभार संभालेंगे।



वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लाभ में कमी आने की उम्मीद

कबाड़ वाहन नियम के कारण वाहन उद्योग को 25,000 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका

एजेंसी ►► नई दिल्ली

उद्योग के अधिकारियों के अनुसार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जनवरी 2025 में अधिसूचित पर्यावरण संरक्षण (उपयोग समाप्त हो चुके वाहन) नियमावली, 2025 में एक साधारण दिखने वाले उपबंध ने वाहन विनिर्माताओं को उस समय डरा दिया, जब उनके ऑडिटरों ने इसके परिणामों की गंभीरता की ओर इशारा किया। जनवरी 2025 की अधिसूचना का ‘नियम 4 (6)’ कहता है, “यदि विनिर्माता अपना परिचालन बंद कर देता है, तो विनिर्माता को परिचालन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए वाहनों के संबंध में अपनी विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) का पालन करना होगा।”

एक उद्योग कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, “यह नियम लेखा मानक ‘इंड एसएस AS 37- प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति’ को सक्रिय करता है, जिसका अर्थ है कि वाहन विनिर्माताओं को पिछले 10 वर्षों में बेचे गए निजी वाहनों और 15 वर्षों में बेचे गए वाणिज्यिक वाहनों के लिए ईपीआर प्रमाणपत्रों की लागत हेतु पर्याप्त वित्तीय प्रावधान करने होंगे।”

विनिर्माता यदि परिचालन बंद करता है तो जिम्मेदारी का पालन करना होगा



माछुती की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 42 प्रतिशत

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी माछुती सुजुकी इंडिया ने नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत 42 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ की है, जो पिछले वित्त वर्ष के 39 प्रतिशत से अधिक है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार कंपनी ने अप्रैल में 1,91,122 इकाइयों की रिकॉर्ड घरेलू बिक्री दर्ज की और इस महीने बाजार हिस्सेदारी में लगभग तीन प्रतिशत अंकों की वृद्धि की है।

कंपनियों को ईपीआर के प्रावधान करने होंगे

एक अन्य उद्योग अधिकारी ने कहा, “इस नियम के कारण ऑटो कंपनियों को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए ईपीआर के प्रावधान करने होंगे, भले ही उनका बाजार से बाहर निकलने का कोई इरादा न हो, जिससे धनराशि फंस जाएगी और मुनाफा प्रभावित होगा।”

उद्योग के लिए उस वर्ष का मुनाफा कम कर देगा

यह समझा जाता है कि उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) ने भी मंत्रालय के समक्ष इस मामले को उठाया था। एक अन्य उद्योग कार्यकारी ने कहा, “एक बार जब बहीखातों में प्रावधान हो जाएगा, तो यह पूरे वाहन उद्योग के लिए उस वर्ष के मुनाफे को काफी कम कर देगा।”

वृद्धि की अगुवाई यात्री कारों ने की

माछुती सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री), पाथी बनर्जी ने बताया कि हालांकि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि की अगुवाई उसकी यात्री कारों ने की हैं, लेकिन इसमें एसयूवी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा, “हमने अप्रैल में रिकॉर्ड बिक्री के साथ नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की है और बाजार हिस्सेदारी भी हासिल की है।”

एसयूवी में अब तक की सबसे अधिक बिक्री

कंपनी की इससे पहले की सबसे अधिक घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,82,165 इकाइयों की थी। इस साल अप्रैल में यात्री कारों की बिक्री 96,725 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 68,244 इकाई थी। बनर्जी ने कहा, “एसयूवी में हमने अप्रैल में 55,065 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 141.6 प्रतिशत अधिक है। हम शीर्ष स्थान के लगभग करोड़ हैं।”

चमड़ा,जूता उद्योग ने प्रमुख कच्चे माल पर शुल्क छूट की मांग की

पश्चिम एशिया संकट से कच्चे माल की लागत में 40 से 60 फीसदी वृद्धि संभव

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे माल की लागत में 40 से 60 प्रतिशत तक वृद्धि होने के बीच चमड़ा और जूता उद्योग ने कुत्रिम चमड़ा, धातु सहायक सामग्री, मशीनरी, धागे, सांचे और कुछ रसायनों जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल पर आयात शुल्क में छूट देने की मांग की है।

एक उद्योग अधिकारी ने यह जानकारी दी। उद्योग ने हाल ही में इस संबंध में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के समक्ष मामला उठाया है। अधिकारी ने कहा कि निर्यातकों ने सरकार से प्रस्तावित ‘फ्लोट’ (फुटवियर एवं चमड़ा उन्मुख परिवर्तन) योजना को शीघ्र लागू करने का सुझाव दिया है, ताकि पूरे उत्पाद वर्ग, कच्चे माल, मशीनरी और अन्य आवश्यक सामग्रियों को इसमें शामिल किया जा सके। अधिकारी ने कहा कि घरेलू



आयात घटकर 93.8 करोड़ डॉलर रह गया

ईराक द्वारा होमरुज जलडमरूमध्य बंद किए जाने से तेल और गैस के जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे लागत पर असर पड़ा है। कुछ अन्य आवश्यक सामग्री चीन, कोरिया, इंडोनेशिया और जापान जैसे देशों से आयात की जाती है। इस क्षेत्र में देश का आयात सालाना आधार पर 4.49 प्रतिशत घटकर 93.8 करोड़ डॉलर रह गया।

विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्रस्ट और तैयार चमड़े के शुल्क-मुक्त आयात की भी मांग की गई है। अधिकारी ने कहा, पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे माल और अन्य आवश्यक सामग्रियों की लागत में 40-60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। ऐसे में हमने सरकार से कुत्रिम चमड़ा , जूता घटक, धातु

सहायक सामग्री, चमड़ा एवं जूता मशीनरी, धागे, सांचे, टो पफ, आईलेट, कुछ रसायन और पैकेजिंग सामग्री पर आयात शुल्क में छूट देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि रबर से जुड़े कुछ रसायन, पीयू चमड़ा, चिपकाने वाले पदार्थ, प्लास्टिक और जूते के तलवे पेट्रोलियम उत्पादों से तैयार होते हैं।

नेस्ले इंडिया का जोर बिक्री बढ़ाने पर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) बेचने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि कच्चे माल की लागत में तेजी और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच कीमतों में उतार-चढ़ाव को लेकर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी नए वित्त वर्ष



में मात्रा आधारित वृद्धि पर ध्यान बनाए हुए है। मैगी, नेस्कैफे और किटकेट जैसे उत्पाद बनाने वाली कंपनी ने सतर्क रुख अपनाने हुए

कहा कि मौजूदा हालात में स्थिति का अनुमान लगाना कठिन है और वह देखा और इंतजार करो की नीति पर चल रही है। तिवारी ने कहा, समय काफी अनिश्चित है। दो महीने बाद स्थिति क्या होगी, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, मानसून को लेकर चिंता और जिस कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण लागत पर दबाव बना हुआ है।

कंपनी अधिग्रहण के लिए तैयार

तिवारी ने कहा कि कंपनी उपयुक्त अवसर मिलने पर अधिग्रहण के लिए भी तैयार है। वित्त वर्ष 2025-26 में नेस्ले इंडिया का कुल राजस्व 14.46 प्रतिशत बढ़कर 23,194.95 करोड़ रुपये रहा। चौथी तिमाही में कंपनी का लाभ 1,110.9 करोड़ रुपये रहा, जबकि उत्पाद बिक्री से आय 6,723.75 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

कमजोर कीमतों से चीनी निर्यात 8 लाख टन रहने का अनुमान

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश का चीनी निर्यात प्रतिकूल वैश्विक मूल्य स्थिति के कारण चालू 2025-26 विपणन सत्र में केवल 7.5 से आठ लाख टन रहने का अनुमान है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। चीनी का विपणन सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है। भारत, दुनिया का दूसरा



सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है जो निर्यात को कोटा प्रणाली के जरिये नियंत्रित करता है। इससे चीनी मिल को अनुपात के आधार पर कोटा दिया जाता है। विपणन सत्र 2025-

26 के लिए खाद्य मंत्रालय ने शुरुआत में 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दी थी। इसके बाद पांच लाख टन का अतिरिक्त कोटा खोला गया जिसमें से अब तक केवल 87,587 टन की ही मंजूरी दी गई है। अधिकारी ने कहा, ‘पूरे सत्र में वास्तविक निर्यात 7.5 से आठ लाख टन के आसपास रहने के आसार हैं।

रेडिसन का भारत में 160 होटल करने का लक्ष्य

एजेंसी ►► नई दिल्ली

रेडिसन होटल ग्रुप को उम्मीद है कि वह दिसंबर 2026 तक भारत में अपने पोर्टफोलियो को बढ़ाकर 157-160 परिचालन वाले होटलों और 19,000-19,500 कमरों तक ले जाएगा। कंपनी के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी निखिल शर्मा ने बताया कि समूह 2030 तक भारत में 500 होटलों के अपने लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। शर्मा ने कहा, “‘इस समय हमारे पास 17,000 कमरे परिचालन में हैं।

इस साल 18 और होटल खुलने वाले हैं, जिससे हम 2,000 से 2,500 कमरे और जोड़ रहे हैं। वैश्विक आतिथ्य श्रृंखला रेडिसन भारत में 142 होटलों का संचालन करती है और 84 अन्य तैयार हो रहे हैं। मांग के माहौल पर शर्मा ने पश्चिम एशिया संकट से मिश्रित प्रभाव की ओर इशारा किया, और कहा कि विशेष रूप से देश के प्रमुख शहरी बाजारों में इसका कुछ असर है। उन्होंने कहा, “हमने कुछ महानगरों में सुस्ती देखी, लेकिन टियर-2 और टियर-3 शहरों में बहुत बड़ी सुस्ती देखने को नहीं मिली।”

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लि. का कोयला उत्पादन अप्रैल में 9.7 प्रतिशत घटकर 5.61 करोड़ टन रहा। इससे देश की तेजी से बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कोयला उत्पादन में यह गिरावट काफी अहम है, क्योंकि यह ईंधन देश में बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है और कुल बिजली उत्पादन में इसका हिस्सा 70 प्रतिशत से भी अधिक है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अप्रैल 2025-26 में 6.21 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। उद्योग जगत का कहना है कि गर्मियों में बिजली की मांग अपने चरम पर होने से

महारत्न कंपनियों का उत्पादन

घटकर 76.81 टन

महारत्न कंपनी का उत्पादन वित्तवर्ष 2025-26 में 1.7 प्रतिशत घटकर 76.81 करोड़ टन रहा है। कंपनी ने वित्तवर्ष 2024-25 में 78.11 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, मार्च में कोल इंडिया का उत्पादन पिछले साल इसी समय के 8.58 करोड़ टन से घटकर 8.45 करोड़ टन रह गया।



सीआईएल का बिजली उत्पादन में 55 फीसदी योगदान

सीआईएल देश के कुल बिजली उत्पादन में 55 प्रतिशत का योगदान देती है और देश की प्राथमिक वाणिज्यिक ऊर्जा जस्वरतों का 40 प्रतिशत हिस्सा पूरा करती है। कोयला उत्पादन में यह गिरावट ऐसे समय में आई है, जब सोमवार को देश में बिजली की अधिकतम मांग बढ़कर 255.85 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

बिजली की खपत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। ऐसे में उत्पादन में आई यह कमी तापीय बिजलीघरों और उद्योगों को होने वाली कोयले की आपूर्ति पर दबाव डाल सकती है। इससे आयातित कोयले की कीमतें बढ़ने की आशंका है। सीआईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कोल इंडिया की जिन सहायक कंपनियों के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है, उनमें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) शामिल हैं। वहीं, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

विनेश इस प्रतियोगिता के 57 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लेंगे। उन्होंने दिन में पहले अपनी चाली व्याक्त की थी। विनेश ने कहा, प्रतियोगिता के दौरान अगर मेरे मेरी टीम या समर्थकों के साथ कोई अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए भारत सरकार जिम्मेदार होगा। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान पारदर्शिता निम्नलिखित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आग्रह करने पर पस्थित रहने का आग्रह किया।



भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो और नासा की ओर से किए गए जॉइंट मिशन में पाया गया कि मेक्सिको सिटी के बड़े हिस्से लगातार डूबते जा रहे हैं। वहीं, कई जगहों पर यह घटना तेजी से बढ़ रही है।

मेक्सिको सिटी। बता दें कि वैज्ञानिक लंबे समय से इसको लेकर चेतावनी दे रहे थे। रिसर्चर्स ने निसार सेटेलाइट से अक्टूबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच इकट्ठा किए गए आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए इस विशाल महानगर के जमीन में धंसने का मैप बनाया है। रिसर्च के परिणामों से पता चलता है कि मेक्सिको सिटी के कई हिस्से हर महीने 2 सेंटीमीटर से ज्यादा की दर से धंस रहे हैं। मैप में इन्हें गहरे नीले रंग में दिखाया गया है।

बज गया खतरे का अलार्म, सेटेलाइट से अक्टूबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच इकट्ठा किए गए आंकड़ें

झीलों के अवशेषों पर बना है
मेक्सिको सिटी के धंसने का मुख्य कारण ग्राउंडवॉटर एक्सट्रैक्शन है। यहां शहर के नीचे से पानी पंप करके निकालने के कारण कभी झीलों की एक बड़े सिस्टम का हिस्सा माने जाने वाले प्राचीन झील तल अब धंस रहे हैं। मेक्सिको सिटी इन्हीं झीलों के अवशेषों पर बना है, जिससे इसके धंसने की संभावना और ज्यादा है।



लगातार धंस रही जमीन
मेक्सिको सिटी की सेटेलाइट तस्वीरों में और भी चीजें दिखाई गई हैं। इसमें नॉर्थईस्ट में नाबोर कैरिलो स्थित है, जो टेक्सकोको झील के अवशेषों पर निर्मित एक आर्टिफिशियल लेक है। साउथ में चाल्को लेक है, जो एक वेटलैंड एरिया है और कभी उपजाऊ रहे उस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जिसे बाद को कंट्रोल करने के लिए सड़ियों से धीरे-धीरे सुखा दिया गया था। मेक्सिको सिटी में आजादी के 100 साल पूरे होने पर साल 1910 में बनाया गया एंजल ऑफ इंडिपेंडेंस में आसपास की जमीन धंसने के कारण समय के साथ 14 सीढ़ियां जोड़ी गई हैं।

नासा का निसार मिशन
बता दें कि निसार मिशन साल 2025 में लॉन्च किया गया था। यह सेटेलाइट NASA की ओर से विकसित L-बैंड टूलस और ISRO के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर समेत 2 अलग-अलग रडार सिस्टम से लैस पहला सेटेलाइट है। ये रडार वैज्ञानिकों को घनी वनस्पति के बीच भी धरती की सतह में होने वाले छोटें से छोटें परिवर्तनों का पता लगाने में सक्षम बनाते हैं। जमीन धंसने की निगरानी के अलावा निसार भूकंप, ग्लेशियर मूवमेंट, जंगलों में होने वाले बदलाव और एग्रीकल्चर पैटर्न के रिसर्च में भी मददगार साबित हो सकती है।

● रोचक खबरें

स्पेन में 650 साल पुराने गिद्धों के घोंसले से निकला दुर्लभ खजाना

मैड्रिड। स्पेन के पहाड़ों में खोज कर रहे वैज्ञानिकों को जो मिला उसने वैज्ञानिकों को भी दंतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया है। दाढ़ी वाले गिद्धों के प्राचीन घोंसलों की खुदाई में 650 साल पुराना एक ऐसा 'टाइम कैप्सूल' मिला है, जिसने मध्यकाल के कई राज खोल दिए हैं। जरा सोचिए आप एक ऊंची चंटान पर बने पक्षी के पुराने घोंसले की खोज कर रहे हैं और अचानक आपके हाथ 650 साल पुराना 'खजाना' लग जाए! ऐसा ही कुछ हुआ है स्पेन के पहाड़ों में, जिसे जानकर पूरी दुनिया के वैज्ञानिक हैरान हैं। रिसर्चर्स को गिद्धों के प्राचीन घोंसलों से 650 साल पुराना कुछ ऐसा मिला है जो सदियों पुराने बड़े राज खोलेगा। इकोलॉजी पत्रिका में छपे एक रिसर्च के अनुसार दाढ़ी वाले गिद्ध जिन्हें गिपेटस बाबेटस भी कहते हैं, सदियों से इंसानी चीजों को अपने घोंसलों में जमा कर रहे थे। इन घोंसलों से मध्यकाल की ऐसी चीजें वैज्ञानिकों को मिली हैं, जिन्होंने वैज्ञानिकों को पूरी तरह से हैरान कर दिया है। बार्सिलोना यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एंटोनी मार्गालिडा के नेतृत्व में हुई इस खोज में 650 साल पुरानी चप्पल, कपड़े और शिकार के औजार मिले हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ये गिद्ध अपनी अनोखी आदतों के लिए जाने जाते हैं। ये करीब पूरी तरह से हड्डियों को खाते थे और एक ही जगह पर पीढ़ियों तक घोंसला बनाते थे। स्पेन के अंडालूसिया में चट्टानों के बीच बनी गुफाओं में इन पक्षियों ने ऊन, टहनियों और हड्डियों की मोटी परतें बना दी थीं। इन परतों के बीच इंसानी चीजें दबकर अब तक पूरी तरह से सुरक्षित बच गईं।

गर्मागर्म तेल में तली जाती है मकड़ियां, शौक से खाते हैं लोग

कोहिमा। भारत के पूर्वोत्तर राज्य नागलैंड की खान-पान संस्कृति बेहद विविध और अनोखी है। यहां की जनजातियां ऐसे व्यंजन खाती हैं जो बाकी देश के लिए काफी अजीब और एक्सोटिक लगते हैं। इनमें से एक चर्चित डिश है थुलाक जिसमें येलो स्ट्रिप्ड स्पाइडर को गर्म तेल में तलकर तैयार किया जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़े चाव से खाते हैं। मकड़ी को अच्छे से साफ करने के बाद उसे गर्म तेल में डीप फ्राई किया जाता है। तलने के बाद यह सुनहरी और कुरकुरी हो जाती है। लोग इसे नमक, मिर्च और स्थानीय मसालों के साथ मिलाकर खाते हैं। कई बार इसे चावल, स्थानीय सब्जियों या मांस की डिश के साथ साइड डिश के रूप में परोसा जाता है। कुछ लोग इसे स्थानीय राइस बिरय या अन्य ड्रिंक्स के साथ एन्जॉय करते हैं। नागलैंड के कई गांवों और बाजारों में यह डिश आसानी से मिल जाती है। विशेष मौकों, त्योहारों या मेहमानों के आने पर थुलाक बनाई जाती है। स्थानीय लोग मानते हैं कि मकड़ी में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है और यह शरीर के लिए अच्छी होती है। तलने की प्रक्रिया में मकड़ी का कोई भी संभावित जहर पूरी तरह नष्ट हो जाता है, इसलिए इसे सुरक्षित माना जाता है। येलो स्ट्रिप्ड स्पाइडर मुख्य रूप से नागालैंड, मणिपुर और आसपास के क्षेत्रों में पाई जाती है। इनका शरीर पीला-भूरा और धारियां वाला होता है। स्थानीय लोग इन्हें जंगलों या खेतों से इकट्ठा करते हैं। कुछ जगहों पर इन्हें खास तरीके से पाला भी जाता है। सोशल मीडिया पर थुलाक और तली हुई मकड़ियों के वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं।

बेटे का 'सलाम' खड़ा कर दिया सफेद संगमरमर का अजूबा

मां की याद में बेटे ने बना डाला 'दूसरा' ताजमहल

आलोचना करने वालों को करारा जवाब

कुछ लोग कहते हैं कि इतना पैसा गरीबों में बांट देते, लेकिन अमरूदीन का जवाब सीधा और साफ है। उनका कहना है कि, अपनी मां के त्याग के आगे ये पैसे कुछ भी नहीं हैं। वो चाहते हैं कि आज की पीढ़ी देखे कि मां-बाप कितने कीमती होते हैं। उन्होंने अब यह पूरी इमारत एक वैरिटेबल ट्रस्ट को सौंप दी है, जहां किसी भी धर्म का इंसान आ सकता है और जल्द ही यहां सबके लिए मुफ्त खाने का इंतजाम भी शुरू होने वाला है। अमरूदीन का यह कदम बताता है कि प्यार सिर्फ कितारों में नहीं होता, बल्कि उसे हकीकत में भी जिया जा सकता है। यह सिर्फ पत्थरों की इमारत नहीं, बल्कि एक बेटे का अपनी मां के प्रति 'सलाम' है।

ये है दुनिया का सबसे अजीबोगरीब जीव, न दिमाग न आंख और न ही दिल!

नई दिल्ली। पृथ्वी पर लाखों तरह के जीव हैं। कुछ उड़ते हैं, कुछ तैरते हैं, कुछ दौड़ते हैं। हर जीव में दिमाग, आंखें, दिल जैसी जरूरी चीजें होती हैं जो उन्हें जीवित रहने में मदद करती हैं। लेकिन, प्रकृति ने एक ऐसा जीव भी बनाया है जो इन सबसे बिल्कुल अलग है। इसका नाम है जेनोटरबेला। यह छोटा सा समुद्री कीड़ा दुनिया के सबसे सरल और अजीबोगरीब प्राणियों में से एक माना जाता है। जेनोटरबेला में ना तो दिमाग है, ना आंखें, ना दिल, ना गुदें और ना ही कोई जटिल अंग होते हैं। इसके शरीर में सिर्फ एक ही छेद होता है, जो खाने के लिए मुंह का काम करता है और उसी से मल भी बाहर निकलता है। वैज्ञानिक इसे 'पैराडॉक्स वर्म' या 'सबसे सरल द्विपक्षीय जीव' कहते हैं।

समुद्र की गहराइयों है घर : यह जीव गहरे समुद्र की ठंडी और अंधेरी गहराइयों में रहता है। 1915 में स्वीडन के वैज्ञानिक सिकस्टेन बॉक ने इसे पहली बार खोजा था। शुरू में इसे साधारण प्लेटीवर्म समझा गया, लेकिन डीएनए जांच में बड़े उलझाव सामने आए। एक बार तो वैज्ञानिकों ने गलती से इसके खाए हुए क्लैम (सीप) का डीएनए सीक्वेंस कर लिया और सोचा कि यह मोलस्क परिवार का है। बाद में सही जांच से पता चला कि जेनोटरबेला बेहद प्राचीन द्विपक्षीय जीवों की शुरुआती शाखा से संबंधित है।

12,000 साल से बाहरी दुनिया से कटा है यह आइलैंड, यहां रहते हैं लाखों अनोखे जीव

न्यूयार्क। अगर आपको लगता है कि आपने दुनिया के सारे अजूबे जानते हैं, तो शायद आप अभी तक ईल मल्क द्वीप के बारे में नहीं सुना है। एक ऐसा आइलैंड जिसका 12,000 सालों से बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रहा। हम बात कर रहे हैं प्रशांत महासागर के बीच छिपे एक ऐसे रहस्यमयी टापू की, जिसकी झील में 50 लाख से भी ज्यादा ऐसे जीव रहते हैं जो पूरी दुनिया में और कहीं नहीं मिलते हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह जगह किसी दूसरे ग्रह के अजूबे से कम नहीं है।

ईल मल्क एक ऐसा द्वीप जहां 12,000 सालों से पूरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग है। इस झील को जेलिफिश लेक के नाम से जाना जाता है। यहां गोल्डन जेलिफिश की एक ऐसी प्रजाति पाई जाती है, जो पूरी दुनिया में और कहीं भी मौजूद नहीं है।



अलगी के साथ अनोखी दोस्ती
इन जेलिफिश ने जिंदा रहने के लिए डायनोफ्लेगेलेट्स जो एक प्रकार का शैवाल है, उससे हाथ मिलाया है। ये शैवाल जेलिफिश के ऊतकों में रहते हैं। जब जेलिफिश सूरज की रोशनी में तैरती हैं, तो शैवाल को प्रकाश संश्लेषण के लिए ऊर्जा मिल जाती है और बदले में वे जेलिफिश को भोजन यानी शुगर देते हैं।

सूरज के साथ चलती है इनकी दुनिया

इस द्वीप की गोल्डन जेलिफिश की सबसे बड़ी खासियत उनका व्यवहार है। कोरल रीफ रिसर्च फाउंडेशन के मुताबिक ये जेलिफिश सूरज की दिशा के साथ माइग्रेट करती हैं। सुबह के समय ये सूरज के साथ पूर्व दिशा की तरफ तैरती हैं। जैसे ही सूरज ढलने लगता है ये पश्चिम की तरफ मुड़ जाती हैं। यह प्रक्रिया पानी के अंदर जेलिफिश की एक विशाल जीती-जागती दीवार जैसा नजारा पेश करती है। खतरे में पड़ी थी आबादी : साल 2005 में इस झील में लगभग 3 करोड़ जेलिफिश थीं, लेकिन 2016 में एल नीनो की वजह से बड़े तापमान के कारण इनकी संख्या काफी कम हो गई। स्थिति इतनी गंभीर थी कि झील को दो साल के लिए बंद करना पड़ा। लेकिन अब फिर एक बार इनकी आबादी फिर से लाखों में पहुंच गई और अब यह पर्यटकों के लिए फिर से खोल दी गई है।

सेक्स अंगों की कॉस्मेटिक सर्जरी Fat Injection Vagina Tightening

(मॉडिफाई व पुनर्स्थापना हेतु)

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर

आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं मंगा डायनोस्टिक के उपर, कलर्स माल के पास, पचवटी नाका, तवाथर (छ.ज.)

9827143060

Aiav Advt

भारत का वो अनोखा रेलवे ट्रैक, जिसे दिन में दो बार ढक लेता है समुद्र

नई दिल्ली। भारत में एक ऐसा रेलवे ट्रैक है, जिसके बारे में सुनते ही लोगों के मन में हैरानी और उत्सुकता दोनों पैदा हो जाती है। कहा जाता है कि यह ट्रैक दिन में दो बार समुद्र की लहरों में गायब हो जाता है। दूर से देखने पर यह नजारा सचमुच ऐसा लगता है जैसे चारों तरफ फैले पानी के बीच अचानक कोई ट्रेन चलती दिखाई दे रही हो, मानो पटरियां समुद्र में समा गई हों। लेकिन, क्या वास्तव में ऐसा होता है? क्या सच में रेलवे ट्रैक पानी में डूब जाता है, या यह सिर्फ आंखों का भ्रम है? इस अनोखे दृश्य के पीछे की सच्चाई जानना जितना दिलचस्प है, उतना ही चौंकाने वाला भी। यह खास रेल मार्ग दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित है, जो मुख्य भूमि को रामेश्वरम द्वीप से जोड़ता है।



वया सच में पानी में डूब जाती है पटरियां?
असल में पंख बिज की पटरियां कभी पूरी तरह पानी में नहीं डूबतीं। यह पुल समुद्र की सतह से ऊंचाई पर बना है। हालांकि, उचार-माटा (टाइड) के दौरान समुद्र का पानी आसपास के निचले इलाकों में फैल जाता है। दूर से देखने पर ऐसा भ्रम पैदा होता है कि पटरियां पानी में समा गई हैं। यही प्राकृतिक भ्रम इस जगह को और भी रहस्यमयी और लोगों के लिए आकर्षक बनाता है।